दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

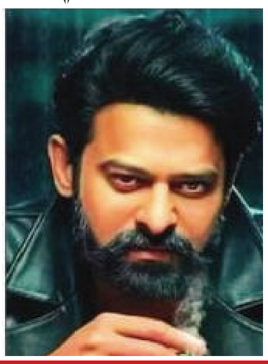

अमन लेखनी

स्पिरिट की रिलीज तारिख का ....

फरवरी में सात फेरे लेने का दावा ....

वर्ष : 12 | अंक : 28 | लखनऊ, 19 जनवरी, सोमवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

मुझे भारतीय होने पर गर्वः रहमान

मुंबई (महाराष्ट्र)। बॉलीवुड को लेकर अपनी टिप्पणी के बाद विवादों में घिरे प्रख्यात संगीतकार एआर रहमान ने अपना पक्ष रखा है। एक वीडियो पोस्ट में उन्होंने कहा कि उन्हें भारतीय होने पर गर्व है। वह किसी को दुख नहीं पहुंचाना चाहते, कभी-कभी इरादों को गलत समझा जा सकता है। रहमान ने लोगों से अपील की कि उनकी ईमानदारी को महसूस करें।

लातेहार में बस पलटी 5 लोगों की मौत

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले के महुआडांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ओरसा घाटी में बड़ा हादसा हो गया। यहां एक बस पलट गई है, जिसमें अब तक 5 लोगों की जान चली गई है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मनोज कुमार घटनास्थल पहुंचकर पूरे मामले की जांच में जुटे। अस्पताल में घायलों को भर्ती कराया। लोग छत्तीसगढ़ के बलरामपुर से लोध फॉल जा रहे थे।

सांसद तिवारी के घर से 5 लाख की रकम चोरी

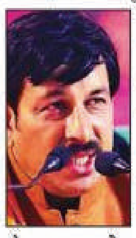

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा के सांसद और मशहूर लोकगायक मनोज तिवारी के घर पर चोरी होने की खबर है और चोर घर की अलमारी से करीब 5 लाख से ज्यादा पैसा लेकर गायब हो गया। पुलिस ने चोर को ढूंढ निकाला और गिरफ्तार कर लिया। ये मामला सांसद तिवारी के मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित आवास का है।

शाहजहांपुर में 3 की मौत, टेंपो चालक घायल

शाहजहांपुर। यहां के रोजा थाना क्षेत्र में सीतापुर-बरेली नेशनल हाईवे पर चकभिटारा मोड़ के समीप रविवार सुबह करीब नौ बजे ट्रक से बाइक को टक्कर लग गई। बाइक ट्रक के पिछले पहिए में फंसकर घिसटती चली गई। बाइक चालक महावीर निवासी चकभिटारा और उनके साले हेमनाथ निवासी गांव पालीचक लखीमपुर खीरी की मौत हो गई।

20 वाहन टकराए, चालक की मौत, 24 जख्मी

बरेली। यहां के फरीदपुर थाना क्षेत्र में रविवार को सुबह घने कोहरे के कारण हाईवे पर कोहराम मच गया। दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर कोहरे के कारण रोडवेज बस और कार समेत 20 वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में करीब 24 लोग घायल हुए हैं। रोडवेज बस चालक की मौत हो गई। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। लोग इधर- उधर परेशान दिखाई दिए।

कोलकाता के हुगली जिले के सिंगूर में कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी

बंगाल बदलाव के लिए तैयार, कम समय में जो काम हो गए 100 साल में नहीं हुए

सिंगूर के कार्यक्रम में पीएम मोदी ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि इतने कम समय में जितना विकास कार्य हुआ है, शायद पिछले 100 साल में भी नहीं हुआ होगा।

विकसित भारत के लिए पूर्वोत्तर के विकास को बताया जरूरी

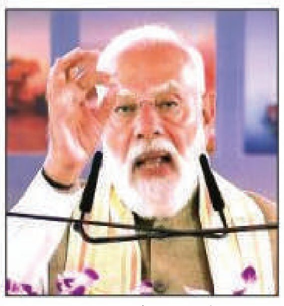

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

प्रधानमंत्री मोदी रविवार को असम दौरे के बाद पश्चिम बंगाल पहुंचे। कोलकाता आगमन के साथ ही उन्होंने हुगली जिले के सिंगूर में एक सरकारी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने सिंगूर में रैली को संबोधित किया। उन्होंने सिंगूर रैली में कहा कि बीते 24 घंटे पश्चिम बंगाल और देश के लिए ऐतिहासिक रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इतने कम समय में जितना विकास कार्य हुआ है, शायद पिछले 100 साल में भी नहीं हुआ होगा। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूर्वी भारत का विकास सबसे जरूरी है और केंद्र सरकार इसी दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल अब जंगलराज को बदलने के लिए तैयार है। हमारी सरकार घुसपैठिओं पर कड़ी कार्रवाई करेगी। ये गरीबों का हक खा रहे हैं। यही घुसपैठिए टीएमसी के पक्के वोटर हैं। इसीलिए ये घुसपैठियों को बचा रहे हैं, उन्हें सुरक्षा दे रहे हैं।

ममता सरकार पर किया बड़ा हमला

भाजपा की सरकार देश के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध

काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखने के दौरान प्रधानमंत्री मॉडल को देख रहे हैं

गंगा जलमार्ग से बढ़ेगा कार्गो मूवमेंट

प्रधानमंत्री ने कहा कि गंगा जी पर बने जलमार्ग के जरिए कार्गो मूवमेंट और तेज होगा। इससे उद्योगों को सस्ती और आसान परिवहन सुविधा मिलेगी। पीएम ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर का यह विस्तार बंगाल को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगा।

मालदा से हुगली तक विकास का संदेश दिया

पीएम मोदी ने कहा कि वे मालदा में थे और आज हुगली के सिंगूर में जनता के बीच आने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि केंद्र का संकल्प है कि पूर्वी भारत को विकास का इंजन बनाया जाए। 2 दिन इसी संकल्प को मजबूत करते हैं। पीएम ने कहा कि बंगाल के विकास के लिए केंद्र पूरी ताकत से काम कर रही है। पीएम मोदी ने बालागढ़ में बनने वाले एक्सटेंडेड पोर्ट गेट सिस्टम का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना हुगली और आसपास के इलाकों के लिए नए अवसरों का द्वार खोलेगी।

पूर्वी भारत बनेगा विकसित भारत की नींव

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि पूर्वी भारत को विकास की मुख्यधारा में सबसे आगे लाया जाए। उन्होंने दावा किया कि बीते 24 घंटे में लिए गए फैसले आने वाले वर्षों में बंगाल और पूरे पूर्वी भारत की तस्वीर बदल देंगे।

सभी टीएमसी के महा जंगलराज को बदलना चाह रहे

पीएण मोदी ने राज्य की टीएमसी सरकार पर भ्रष्टाचार और घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने जनता से टीएमसी को सबक सिखाने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी बंगाल के नौजवानों और किसानों के साथ खेल रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा की सरकार बनने पर प्लास्टिक से जुड़े ठोस नियम बनाए जाएंगे, ताकि जूट उद्योग को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि सिंगुर का ये जनसैलाब, उत्साह और जोश बता रहा ह हर कोई 15 वर्ष के महा-जंगलराज को बदलना चाहता है।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर बोला हमला कहा

असम की धरती घुसपैठियों को सियासी फायदे के लिए छोड़ी थी

काजीरंगा कॉरिडोर का भूमि पूजन किया

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरोप लगाए हैं कि कांग्रेस ने अपने सियासी फायदे के लिए असम में अस्थिरता पैदा की और राज्य को हिंसा की आग में धकेला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ सरकारें बनाने और कुछ वोट पाने के लिए असम की धरती को घुसपैठियों को सौंप दिया था। पीएम मोदी ने रविवार को असम में काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर प्रोजेक्ट का भूमि पूजन किया। उन्होंने दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने सियासी फायदे के लिए असम में अस्थिरता पैदा की और असम को हिंसा की आग में धकेला।

कांग्रेस ने राज्य को नकारा, भाजपा ने बजट बढ़ाया

पीएम मोदी ने कहा कि नॉर्थ ईस्ट की सबसे बड़ी पीड़ा हमेशा दूरी की रही है। दूरी दिलों की और दूरी स्थानों की रही। दशकों तक यहां के लोगों को ये महसूस होता रहा कि देश का विकास दूसरी जगह हो रहा है और वे पीछे छूट रहे हैं। इसका असर सिर्फ अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ा, बल्कि भरोसे पर भी पड़ा। इस भावना को बदलने का काम भाजपा ने किया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने नॉर्थ ईस्ट के विकास को प्राथमिकता बनाया है।

कांग्रेस के पास विकास का कोई एजेंडा नहीं

पीएम मोदी ने रविवार को असम के नगांव जिले में 6,957 करोड़ की काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना की आधारशिला रखी और 2 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाई। काजीरंगा परियोजना के 'भूमि पूजन' में हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर के एक मॉडल का भी निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री ने दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों डिब्रूगढ़-गोमती नगर (लखनऊ) और कामाख्या-रोहतक को भी डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाई।

राइनो के शिकार पर कहा

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में काजीरंगा में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। होम स्टे, गाइड सेवाएं, परिवहन, हस्त शिल्प और छोटे व्यवसायों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को आय के नए साधन मिले हैं। 2013-14 में एक सींग वाले दर्जनों राइनो मारे गए। हमने सुरक्षा व्यवस्था को नए सिरे से मजबूत किया।

जिस मुंबई में पैदा हुई कांग्रेस, वहां 5वें नंबर पर रही : पीएम मोदी ने बीएमसी चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन पर कहा कि पार्टी अपने जन्मस्थान मुंबई में 'चौथे या पांचवें' स्थान पर रही। कांग्रेस का जन्म 1885 में मुंबई में हुआ था, लेकिन फिर भी वह अपनी नकारात्मक राजनीति के कारण पहले स्थान पर नहीं आ पाई।

बीएमसी महापौर पर राउत के बयान से बढ़ी 'गरमी'

होटल को बना दिया जेल

शिंदे भी नहीं चाहते भाजपा का मेयर उसके कई पार्षद हमारे संपर्क में

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

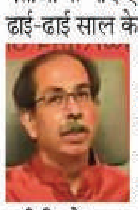

यहां मेयर पद को लेकर सस्पेंस बढ़ा है। चुनाव नतीजों के बाद एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने ढाई-ढाई साल के फार्मूले पर भाजपा से मेयर पद की मांग की है और अपने पार्षदों को होटल में ठहरा दिया है। सीएम फडणवीस ने विवाद से इनकार किया है। शिवसेना यूबीटी को उद्धव ठाकरे ने ये कहकर हलचल बढ़ाई कि भगवान ने चाहा तो शिवसेना यूबीटी का ही मेयर बनेगा। संजय राउत ने कह दिया है कि शिवसेना के कई पार्षद भाजपा का मेयर नहीं चाहते और कई लोग उनके संपर्क में हैं।

राउत ने कानून- व्यवस्था पर किए सवाल

राउत ने कहा कि शिंदे के पार्षदों को इस तरह से होटल में बंदी बनाकर रखना कानून व्यवस्था का सवाल है। उन पार्षदों को डर है कि उनका अपहरण किया जा सकता है, उन्हें तोड़ा जा सकता है। ऐसे में शिंदे ने उन्हें ताज होटल में बंद कर दिया है। पुलिस का कड़ा पहरा है।

शिंदे के पार्षदों को रिहा करें

राउत ने कहा कि हमें और हमारे दोस्तों को ताज होटल जाना है, लेकिन हम वहां जाएंगे और वहां गड़बड़ हो जाएगी, लेकिन फिर भी हम वहां जाएंगे। राउत ने दावा किया कि एकनाथ शिंदे के गुट के कई पार्षद हमारे संपर्क में हैं। कौन चाहता है कि मुंबई में भाजपा का मेयर बने? शिंदे भी ऐसा नहीं चाहते।

शादी में था परिवार, चोर ले उड़े 1 किलो गोल्ड, 10 किलो चांदी

परिवार घर लौटा तो खिड़की का ग्रिल कटा मिला

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पश्चिम दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में एक घर से लगभग एक करोड़ के कीमती सामान की चोरी हो गई। यह घटना तब हुई जब परिवार शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर से बाहर था। पुलिस ने शनिवार 17 जनवरी को यह जानकारी दी। जब परिवार शुक्रवार, 16 जनवरी की रात को घर लौटा तो उन्होंने देखा कि घर का मुख्य दरवाजा सही सलामत था, लेकिन रसोई की खिड़की का ग्रिल कटी हुई थी और अंदर का सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने घर से गहने और अन्य कीमती वस्तुएं चुराईं, जिनकी कुल कीमत लगभग एक करोड़ बताई जा रही है। परिवार के एक सदस्य ने बताया कि वे एक शादी में गए हुए थे और लौटने तो देखा कमरे में सामान अस्त-व्यस्त था और कीमती सामान गायब थे।

पश्चिम दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में वारदात

दिल्ली में बंद पड़े घर पर चोरों ने बोला धावा

सोना और चांदी फाइल फोटो

पड़ोसियों और सुरक्षा गार्डों से पूछताछ

जांचकर्ता पड़ोसियों और सुरक्षा गार्डों से भी पूछताछ कर रहे हैं कि क्या घटना की रात इलाके में किसी संदिग्ध गतिविधि पर ध्यान दिया गया था। एपुलिस तकनीकी और स्थानीय खुफिया जानकारी की जांच कर रही है और सभी संभावित पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। चोरों को जल्द पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

स्कूलों के लिए नया आदेश

9वीं तक के स्टूडेंट्स के लिए हाईब्रिड मोड में चलेंगी कक्षाएं

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने से दिल्ली सरकार ने स्कूलों के लिए नया आदेश जारी हुआ है। स्कूलों में नौवीं क्लास तक और 11वीं क्लास के बच्चों की क्लासेज हाईब्रिड मोड में चलेंगी। अब कमिशन ऑफ एयर क्वालिटी मैनेजमेंट की तरफ से नर्सरी से नौवीं तक और 11वीं क्लास को हाईब्रिड मोड में तुरंत प्रभाव से क्लासेज लेने का फैसला लिया गया है।

नई दिल्ली के विश्व पुस्तक मेले में पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री शाह

देश की रक्षा व अखंडता का संकल्प और मजबूत होगा

वंदे मातरम और ऑपरेशन सिंदूर पवेलियन का दौरा किया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज भारत मंडपम में आयोजित नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का अवलोकन किया। गृह मंत्री ने वंदे मातरम पवेलियन और ऑपरेशन सिंदूर पवेलियन का भी दौरा किया। गृह मंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और योगदान पर बनी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। एक्स पर किए गए सिलसिलेवार पोस्ट्स में केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि पुस्तकें ज्ञान प्राप्त करने का सर्वोत्तम माध्यम हैं और उम्र चाहे जो भी हो, पढ़ते रहना चाहिए। पढ़ने की आदत तेजी से कम होती जा रही है और मुझे विश्वास है कि डिजिटल हो या प्रिंट, पुस्तकें अभी भी ज्ञान अर्जित करने का सबसे अच्छा तरीका हैं।

स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को पूरा करें

पुस्तक मेला में गृहमंत्री शाह

बच्चों को 'आनंद मठ' की प्रतियां भी वितरित की

गृहमंत्री शाह ने बच्चों को बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की 'आनंद मठ' की प्रतियां भी वितरित कीं। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित साहित्यिक कृति 'आनंद मठ' ने लाखों भारतीयों को स्वतंत्रता संग्राम छेड़ने और ब्रिटिश शासन को समाप्त करने के लिए प्रेरित कर इतिहास रचा।

सरदार पटेल के कृतित्व को अजर-अमर बनाएं

शाह ने कहा कि नेशनल बुक ट्रस्ट के वंदे मातरम पवेलियन का दौरा किया। यह पवेलियन गौरवशाली गाथा को प्रदर्शित कर रहा है, जिसने स्वतंत्रता सेनानियों में औपनिवेशिक शासन को उखाड़ फेंकने की देशभक्ति की भावना जगाई थी। शाह ने पुस्तक मेले में सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और योगदान पर बनी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। टुकड़ों में बंटे देश को एकीकृत कर एक भारत बनाने वाले सरदार साहब का 150वां जयंती वर्ष मनाकर मोदी सरकार उनके व्यक्तित्व- कृतित्व को बता रही।

मणिकर्णिका की 'फर्जी' तस्वीरें शेयर की

सांसद संजय, कांग्रेस नेता यादव समेत 8 नेताओं पर एफआईआर

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पुलिस ने मणिकर्णिका घाट पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों के बारे में सोशल मीडिया पर एआई से बनाई गई तस्वीरें, वीडियो और भ्रामक जानकारी प्रसारित करने के आरोप में कार्रवाई की है। वाराणसी पुलिस ने आपके सांसद संजय सिंह, कांग्रेस नेता पप्पू यादव सहित 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) गौरव बंसल ने बताया कि घाट पर चल रहे सौंदर्यीकरण और श्मशान सुविधाओं पर चल रहे सुधार के संबंध में मनगढ़ंत सामग्री फैलाने के आरोप में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई हैं। वाराणसी के चौक थाने में शनिवार को एफआईआर दर्ज होने के बाद सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के लोकसभा क्षेत्र में घाट को तहस-नहस किया गया, मंदिरों को तोड़ा गया, काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराने वाली माता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा भी तोड़ी गई जिसका विरोध काशी के साधुओं ने किया।

152वाँ 'आपका विधायक - आपके द्वार' जनसंवाद शिविर : समाधान, सम्मान और सेवा का अनुपम संगम

प्रतिभा का सम्मान : डॉ. राजेश्वर सिंह ने 4 मेधावियों को साइकिल देकर किया प्रोत्साहित

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊः सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत देवीखेड़ा, खरिका प्रथम में रविवार को 152वाँ 'आपका विधायक-आपके द्वार' साप्ताहिक जनसंवाद शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह अभियान सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा निरंतर चलाया जा रहा एक अनूठा जनसेवा संकल्प है, जिसमें जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान, शिक्षा-खेल का प्रोत्साहन, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सम्मान को एक साथ जोड़ा जाता है।

जन समस्याओं का त्वरित समाधान :

शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी आवश्यकताएँ व सुझाव प्रस्तुत किए। वृद्धावस्था पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आय प्रमाण पत्र, विधवा पेंशन सहित कुल 16 महत्वपूर्ण प्रकरणों को सामने रखा गया, जिनमें से 10 प्रकरणों का मौके पर ही त्वरित समाधान सुनिश्चित किया गया।

टेंडर पॉम हॉस्पिटल के सहयोग से आई कैंप

टेंडर पॉम हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क नेत्र चिकित्सा कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में 75 वृद्धजनों का नेत्र परीक्षण किया गया, जिनमें से 38 लाभार्थियों को आवश्यकतानुसार निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे।

गाँव की शान – मेधावियों का सम्मान :

शिक्षा के प्रति प्रेरणा बनाए रखने के उद्देश्य से विधायक डॉ. सिंह द्वारा 'गाँव की शान' पहल के तहत हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चार मेधावी छात्र-छात्राओं - आदर्श सिंह (89.6%), सौम्या भदौरिया (85.4%), अस्मिता वर्मा (77%), अवंतिका मैसी (68.56%) को सम्मानित किया गया। इन प्रतिभाशाली छात्रों को साइकिल, घड़ी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया, ताकि उनकी शिक्षा यात्रा और अधिक प्रेरित हो।

युवा शक्ति को खेलों से जोड़ना :

युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करने हेतु 166वें बॉयज यूथ क्लब एवं 101वें गर्ल्स यूथ क्लब का गठन किया गया। इन क्लबों को क्रिकेट, वॉलीबॉल, फुटबॉल, कैरम आदि खेलों की पूर्ण स्पोर्ट्स किट वितरित की गई।

प्रबुद्धजनों एवं गणमान्य नागरिकों का सम्मान :

शिविर में क्षेत्र के प्रबुद्धजन एवं गणमान्य नागरिकों-राम प्रवेश, रविंदर चौहान, राम सुमन, देवी दयाल, कृष्णलाल, अर्चना बोहर, माधुरी देवी, मंजू पाण्डेय, माया देवी, सुरेश कुमार, जय सिंह, मीना देवी, सीमा देवी, किरण, रेनू सहित अन्य को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सभी उपस्थित ग्रामीणों को ताराशक्ति निःशुल्क रसोई के माध्यम से ताजा एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया गया। डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा संचालित यह साप्ताहिक अभियान निरंतर जारी रहेगा। यह श्रृंखला सरोजनीनगर के प्रत्येक गाँव-मोहल्ले तक पहुँचकर विकास और कल्याण की नई ऊँचाइयाँ छूती रहेगी।

विवाहिता की मां की शिकायत पर दहेज प्रताड़ना का मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । आशियाना थाने में एक विवाहिता की मां ने पुत्री के ससुरालियों पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगा नामजद मुकदमा दर्ज कराया है। आशियाना थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह ने बताया थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर ओ मान सरोवर योजना निवासी प्रतिभा वाजपेयी पत्नी उमेश चन्द्र बाजपेयी के अनुसार उन्होंने अपनी पुत्री श्रेया बाजपेयी का विवाह 16 नवंबर वर्ष 24 को अंकित मिश्रा पुत्र सुधीर मिश्रा पनकी जनपद कानपुर नगर निवासी के साथ किया था। वही पीड़ित विवाहिता की मां प्रतिभा वाजपेयी का आरोप है कि पुत्री के पति अंकित मिश्रा सहित उनके परिवार ने शादी के लिए 25 लाख रुपये नगद और घर गृहस्थी का सामान सहित सोने के आभूषणों की मांग की थी, जिसे उन्होंने अपनी पुत्री के भविष्य को देखते हुए स्वीकार कर लिया और 15 लाख रुपये अपने पति के पंजाब नेशनल बैंक खाते से पुत्री के पति अंकित मिश्रा की मां मीनू मिश्रा के खाते में ट्रांसफर करने के साथ 10 लाख रुपये कैश दे दिया। जिसके पश्चात विवाह के बाद उनकी पुत्री श्रेया ससुराल गई, जहां ससुराल वालों ने 25 लाख रुपये की और मांग की और उसे प्रताड़ित किया और सास मीनू मिश्रा ने खौलती हुई चाय उस पर डाल दी, जिससे उनकी पुत्री जल गई। वही पीड़ित विवाहिता की मां का कहना था दामाद अंकित मिश्रा ने मुंबई में फ्लैट खरीदने के लिए 25 लाख रुपये की मांग की और उनकी पुत्री श्रेया को मारा-पीटा, जिससे उसका गर्भपात हो गया।जिसके पश्चात ससुरालियों ने पुत्री के सारे जेवरात एवं नगद पैसा छीनकर उनकी पुत्री को जबरदस्ती मुंबई से लखनऊ की फ्लाइट की टिकट कराकर बैठा दिया। जिसके पश्चात उन्होंने एयरपोर्ट लखनऊ से अपनी पुत्री श्रेया वाजपेयी को अपने घर लेकर आ उपचार कराने के बाद स्थानीय आशियाना थाने में पुत्री के पति सहित ससुरालियों के खिलाफ मारपीट, गाली गलौच, प्रताडित करने व जान से मारने की धमकी देने, गर्भपात करने एवं दहेज प्रताड़ना का आरोप लगा नामजद शिकायत की है।

काकराबाद में बनेगा भातखंडे संगीत संस्थान का नया कैंपस

मुख्यमंत्री की घोषणा से क्षेत्र में खुशी की लहर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा संगीत जगत से जुड़े कलाकारों और कला प्रेमियों के लिए एक बड़ी सौगात दी गई है। राजधानी लखनऊ के काकोरी ब्लॉक अंतर्गत काकराबाद गांव में भातखंडे संगीत संस्थान के नए कैंपस की घोषणा से न केवल हजारों संगीत साधकों को नई दिशा मिलेगी, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और खुशी का विषय भी बन गया है। मुख्यमंत्री की इस घोषणा से काकराबाद गांव का नाम प्रदेश के सांस्कृतिक मानचित्र पर और अधिक मजबूती से उभरेगा। ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रतिष्ठित संगीत संस्थान का स्थापित होना एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है, जिससे गांव सहित आसपास के इलाकों में सांस्कृतिक, शैक्षणिक और आर्थिक विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी। इस संबंध में वर्तमान ग्राम प्रधान गरिमा सिंह ने बताया कि प्रधान बनने के बाद उनकी सबसे बड़ी चुनौती गांव की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना रही। सड़क, जल निकासी, स्वच्छता और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिक लक्ष्य था। इसके साथ ही ग्राम पंचायत को पारदर्शी और विकासोन्मुख बनाना तथा ग्रामीणों का विश्वास जीतना भी बड़ी जिम्मेदारी थी, जिसे टीमवर्क और जनसहयोग से धीरे-धीरे पूरा किया गया। गरिमा सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फैसले की सराहना करते हुए कहा कि संगीत कला को नई दिशा देने का यह निर्णय दूरदर्शी है और प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को सशक्त करने वाला है। संगीत जैसी विधा को बढ़ावा देना केवल कला का संरक्षण नहीं, बल्कि युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार और पहचान के नए अवसर भी खोलता है। उन्होंने कहा कि यह फैसला उन प्रतिभाशाली ग्रामीण युवाओं के लिए वरदान साबित होगा, जो संसाधनों या दूरी के कारण शहरों में जाकर शिक्षा नहीं ले पाते थे। अब गांव के पास ही उच्च स्तरीय संगीत शिक्षा उपलब्ध होगी, जिससे ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच मिलेगा और वे अपने सपनों को साकार कर सकेंगे। ग्राम प्रधान ने यह भी बताया कि भातखंडे संगीत संस्थान का नया कैंपस काकराबाद पंचायत की एक निश्चित भूमि पर बनाया जाएगा, जिसको लेकर प्रशासनिक प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। संस्थान के स्थापित होने से क्षेत्र में सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ रोजगार और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। ग्राम पंचायत युवाओं को कौशल विकास से जोड़कर गांव को आत्मनिर्भर और प्रगतिशील बनाने की दिशा में लगातार कार्य करती रहेगी।

स्कॉर्पियो की टक्कर से स्कूटी सवार दो लोगों की मौत, नाराज ग्रामीणों ने लगाया जाम

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर। बंथरा थाना क्षेत्र में शनिवार शाम स्कॉर्पियो की टक्कर से स्कूटी सवार युवक-युवती की हुई मौत के बाद रविवार को नाराज परिजनों ने रिश्तेदारों और ग्रामीणों के साथ बनीझमोहान रोड पर शव रखकर सड़क जाम करते हुए धरना-प्रदर्शन किया। वह मृतकों के परिजनों को 50 लाख रुपये मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और स्कॉर्पियो चालक के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज करने की मांग कर रहे थे। दोपहर करीब 12:30 बजे शुरू हुए प्रदर्शन की सूचना मिलते ही बंथरा पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े रहे। इसके बाद एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा मौके पर पहुंचे और वार्ता की, लेकिन बात नहीं बनी। इसी बीच मृतका के परिजन भी बड़ी संख्या में पहुंच गए और धरने में शामिल हो गए। हालात को देखते हुए सरोजनीनगर तहसीलदार सुखवीर सिंह को बुलाया गया। तहसीलदार सुखवीर सिंह और एसीपी रजनीश वर्मा ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर सरकार की ओर से मिलने वाली आर्थिक सहायता और योजनाओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने दोनों मृतकों के परिवारों को पांचझपांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन शांत हुए और अपराह्न करीब 3:30 बजे धरना समाप्त कर शवों को अंतिम संस्कार के लिए ले गए। करीब 3 घंटे तक चले रोड जाम धरना प्रदर्शन के कारण बनी - मोहान रोड बाधित हो गया और दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। इसके बाद धरना प्रदर्शन समाप्त होने पर यातायात चालू हो सका। बताते चलें कि बंथरा के लतीफ नगर निवासी किसान अवधेश त्रिवेदी का 22 वर्षीय पुत्र अर्पित त्रिवेदी और सहिजनपुर गांव निवासी किसान शिवशंकर की 21 वर्षीय पुत्री काजल रावत शनिवार शाम स्कूटी से बनीझमोहान रोड होते हुए कटी बगिया की ओर जा रहे थे। अर्पित, काजल को रामगढ़ी के पास स्थित अमेजॉन वेयरहाउस में उसके कार्यालय छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान अमेजॉन वेयरहाउस से करीब 500 मीटर पहले कटी बगिया की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सामने से स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों उछलकर दूर जा गिरे और मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर पहुंचे और घटनास्थल बनी - मोहान रोड स्थित रामगढ़ी के पास रोड पर शव रखकर धरना प्रदर्शन किया। उधर इस मामले में स्कॉर्पियो मालिक बंथरा के मिजार्पुर निवासी बलवीर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है।

संविदाकर्मी का शव सड़क किनारे मिला

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह उत्तर प्रदेश नागरिक उड्डयन निदेशालय में संविदा कर्मी के पद पर तैनात एक युवक संदिग्ध हालत में सड़क किनारे मरणासन पड़ा मिला। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने उसे लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से अंबेडकर नगर जिले के जलालपुर में रहने वाला अमन सिंह (27) सरोजनी नगर के हिंद नगर स्थित एयरपोर्ट आवासीय कॉलोनी में रहकर यहां उत्तर प्रदेश नागरिक उड्डयन निदेशालय में ग्रुप डी के तहत संविदा कर्मी था। रविवार सुबह वह मरणासन हालत में कानपुर रोड स्थित बीमा अस्पताल के पास सड़क किनारे पड़े मिला। राहगीरों ने युवक को मरणासन पड़े देख इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर अमन सिंह को आनन फाइन लोक बंधु अस्पताल पहुंचाया। जहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक अमन सिंह रोज की तरह रविवार सुबह करीब 6:30 बजे ड्यूटी जाने के लिए घर से पैदल निकले और बीमा अस्पताल के सामने कानपुर रोड पर पहुंचे। जहां खड़े होकर वाहन का इंतजार कर रहे थे। तभी अचानक बेसुध होकर वह सड़क किनारे गिर पड़े।पुलिस का कहना है कि अमन के पास मिले सर्विस कार्ड से उनकी पहचान कराने के बाद इसकी सूचना उनके ऑफिस को दी गई।जिसके बाद घर वालों को मामले से अवगत कराया गया। बताते हैं कि मृतक अमन सिंह अपने पिता जगत सिंह के एकलौते बेटे थे और अमन की शादी के लिए उनके पिता रिश्ता देख रहे थे।फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि अमन की मौत किस कारण हुई, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं हो सकी है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का सही कारण पता चल सकेगा।

लखनऊ पब्लिक स्कूल की सभी शाखाओं में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित

लखनऊ, लखनऊ पब्लिक स्कूल (सी.पी. सिंह फाउंडेशन) की विभिन्न शाखाओं में रविवार का दिन स्मृतियों, भावनाओं और उल्लास से परिपूर्ण रहा। साउथ सिटी, एल्डिको, जानकीपुरम एवं सेक्टर-डी शाखाओं में कक्षा 11 के छात्रों द्वारा कक्षा 12 के सीनियर छात्रों के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच जहाँ एक ओर उत्सव का माहौल रहा, वहीं अपने प्रिय विद्यालय और सहपाठियों से बिछड़ने की कसक भी छात्रों की आँखों में स्पष्ट दिखाई दी।समारोह की शुरूआत पारंपरिक तिलक एवं स्वागत के साथ की गई। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने रैंप वॉक, सोलो एवं ग्रुप डांस तथा बॉलीवुड एवं हॉलीवुड गीतों पर आधारित प्रस्तुतियों से मंच को जीवंत कर दिया। शिक्षकों द्वारा दी गई विशेष डांस प्रस्तुति ने समारोह को और भी भावुक एवं यादगार बना दिया। डम्ब सिराज, साड़ी फोल्डिंग, बैलून बैलेंसिंग एवं पिरामिड निर्माण जैसे मनोरंजक खेलों ने कार्यक्रम में अतिरिक्त उत्साह और ऊर्जा का संचार किया।

घने कोहरे के कारण विमान सेवाएं प्रभावित रही

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर। रविवार सुबह पड़े घने कोहरे के कारण विमान सेवाएं काफी प्रभावित हो गई। लो विजिबिलिटी के कारण लखनऊ आने जाने वाले विमान काफी लेट लतीफ हो गए। इससे यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्थिति यह कि मुंबई से रात 12:35 बजे लखनऊ पहुंचने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 5264) तड़के 2:40 बजे लखनऊ पहुंची। इसी तरह दम्माम से सुबह 5:15 बजे लखनऊ पहुंचने वाली फ्लाईनेस की उड़ान (एक्सवाई 896) दोपहर 12:20 बजे पहुंचने की उम्मीद है। वहीं मुंबई से सुबह 8:35 बजे लखनऊ पहुंचने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान (आईएक्स 1026) दोपहर 11 बजे पहुंचने की संभावना है।जबकि बेंगलुरु से सुबह 9:45 बजे लखनऊ आने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 6353) भी 11 बजे पहुंचेगी। इसी तरह लखनऊ से सुबह 4:30 बजे मस्कट के लिए जाने वाली सलाम एयर की उड़ान (ओवी 706) सुबह 5:40 बजे रवाना हो सकी। लखनऊ से सुबह 6:15 बजे दम्माम जाने वाली फलाइनेस की उड़ान (एक्सवाई 897) दोपहर 1:25 बजे जाएगी। लखनऊ से सुबह 6:40 बजे अहमदाबाद जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 142) 9:50 बजे टेक आफ कर सकी। लखनऊ से सुबह 7:15 बजे हैदराबाद जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 523) 10 बजे रवाना हुई। सुबह 7:40 बजे कोलकाता जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 505) 9:40 बजे गयी। सुबह 7:45 बजे दिल्ली जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 2026) 9:45 बजे रवाना हुई। सुबह 7:55 बजे गुवाहाटी जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 146) 10 बजे उड़ान भर सकी। सुबह 8 बजे दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान (एआई 2500) 9:30 बजे रवाना हुई।सुबह 8 बजे रियाद जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की अंतरराष्ट्रीय उड़ान आईएक्स 189) दोपहर 1 बजे जाएगी।सुबह 8:45 बजे बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 325) 10:10 पर रवाना हुई। सुबह 8:50 बजे मस्कट जाने वाली ओमान एयर की (डब्ल्यू वाई 266) 10:20 बजे रवाना हुई। सुबह 9 बजे रायपुर जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 6521) 10:15 बजे रवाना हुई।इसी तरह सुबह 9:25 बजे मुंबई जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान (आईएक्स 1027) 12 बजे जाएगी। लखनऊ से सुबह 10:25 बजे हैदराबाद जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 607) दोपहर 11:55 बजे रवाना होने की उम्मीद है। वहीं दोपहर 12:45 बजे मुंबई जाने वाली इंडिगो की उड़ान (6ई 6751) 1:40 बजे उड़ान भर सकेगी।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान और इस्मा के सहयोग से तीन सूत्रीय कार्यों की घोषणा

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई।भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में रविवार को एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल में अश्विनी श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव (शर्करा), खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार, दीपक बल्लानी, महानिदेशक, भारतीय शर्करा एवं जैव ऊर्जा निमार्ता संघ, इस्मा, नई दिल्ली, आदित्य झुनझुनवाला, प्रबंध निदेशक, के. एम. शुगर मिल्स लिमिटेड, अयोध्या, डॉ. सुशील सोलोमन, पूर्व कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर एवं सलाहकार, भारतीय शर्करा एवं जैव-ऊर्जा निमार्ता संघ, इस्मा, नई दिल्ली एवं दीप मलिक, निदेशक (तकनीकी एवं सांख्यिकी), गन्ना एवं एथानॉल सम्मिलित थे।

प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान में गन्ने पर लगे प्रक्षेत्र परीक्षणों का भ्रमण किया, तथा संस्थान में हो रहे शोध कार्यक्रमों की मुक्त कंठ से सराहना की। इस दौरान इस्मा और भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ ने तीन सूत्रीय कार्यों को मिलकर करने की घोषणा की, जिसमें गुणवत्ता युक्त बीज उत्पादन सुनिश्चित करना, जिसके लिए इस्मा के सहयोग से एक आधुनिक बीज उत्पादन इकाई की स्थापना। रोग मुक्त गन्ने के बीजों के उत्पादन के लिए संस्थान में स्थित ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला का सुदृढीकरण, वहीं गन्ने की कटाई हेतु होल केन हार्वेस्टर का विकास, गन्ने में कीट नियंत्रण हेतु जैविक कीट नियंत्रण उत्पादों के उत्पादन हेतु एक व्यावसायिक इकाई की स्थापना भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ में किया जाएगा। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान को उत्तर प्रदेश में कार्यरत 120 चीनी मिलों का प्रकाश स्तम्भ बताते हुए उत्तर प्रदेश के गन्ना एवं चीनी उत्पादन में संस्थान के योगदान की सराहना की। इससे पूर्व संस्थान के निदेशक, डॉ. दिनेश सिंह ने प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों का अभिनंदन करते हुए संस्थान द्वारा गन्ना अनुसंधान की उपलब्धियों एवं कार्यकलापों पर प्रकाश डाला। डॉ. दिनेश सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में गन्ने की खेती में उच्च गुणवत्तायुक्त स्वस्थ बीज गन्ना सामग्री की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु एक व्यवस्थित ढंग से मजबूत स्वस्थ बीज गन्ना उत्पादन प्रणाली संचालित करने की आवश्यकता है ताकि चरणबद्ध तरीके से पुराने और खराब हो चुके बीज गन्ना के प्रतिस्थापन को सुनिश्चित किया जा सके। जिससे गन्ना मिलों को पर्याप्त मात्र में गन्ना आपूर्ति हो पाएगी और प्रदेश का चीनी उद्योग नई सफलताओं को छूएगा। इस प्रक्षेत्र भ्रमण एवं चर्चा के दौरान संस्थान के सभी विभागाध्यक्ष एवं सभी वैज्ञानिक मौजूद थे।

आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची सुधार पर जोर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मतदाता सूची के शुद्धिकरण को लेकर रविवार को माल क्षेत्र के विभिन्न बूथों पर विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों के सामने मतदाता सूची को पढ़कर सुनाया गया और मतदाताओं से नाम, पता, उम्र सहित अन्य विवरणों की जांच कराई गई। अभियान के दौरान कई मतदाताओं ने सूची में दर्ज त्रुटियों की ओर ध्यान दिलाया। कुछ पात्र मतदाताओं के नाम कटे हुए पाए गए, वहीं कहीं उम्र और पते में गलतियां सामने आईं। जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं थे, उनके नाम जोड़ने के लिए आवश्यक फार्म भी भरवाए गए। अऊमऊ बूथ का निरीक्षण करने पहुंचे

कोऑपरेटिव चेयरमैन वीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी मतदाता सूची में कई पुरानी त्रुटियां सामने आई हैं। इन्हें समय रहते ठीक करना बेहद जरूरी है, ताकि आगामी चुनावों में किसी भी मतदाता को मतदान से वंचित न होना पड़े। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने नाम और विवरण अवश्य सही करा लें। उपजिलाधिकारी अंकित कुमार ने बताया कि मतदाता सूची को सही और निष्पक्ष बनाए रखने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। जो भी आपत्तियां और सुधार प्रस्ताव मिल रहे हैं, उन्हें समयबद्ध तरीके से अपडेट किया जाएगा। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की कि वे अपनी मतदाता सूची जरूर जांच लें और किसी भी प्रकार की गलती पाए जाने पर तत्काल संबंधित बीएलओ या निर्वाचन कार्यालय को सूचना दें।

शौच गई युवती से छेड़छाड़, मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र के एक गांव में शौच के लिए खेत गई एक युवती के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के ही एक युवक ने युवती को पीछे से जबरन पकड़ लिया और उसे सुनसान जगह की ओर खींचकर ले जाने लगा। युवती के शोर मचाने पर वह किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना बताई। पीड़िता के परिजन जब शिकायत लेकर आरोपी के घर पहुंचे तो वहां मौजूद उसके परिजनों ने उल्टा अभद्र गालियां देते हुए मारपीट के लिए उतारू हो गए। इसके बाद पीड़िता ने थाने पहुंचकर लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पीड़िता के अनुसार, शनिवार सुबह वह गांव के

किनारे खेत में शौच के लिए गई थी। तभी पहले से घात लगाए बैठे गांव के ही अनिल ने पीछे से पकड़कर उसके साथ छेड़छाड़ की और जबरन सुनसान स्थान की ओर ले जाने लगा। शोर मचाने पर वह किसी तरह बचकर घर पहुंची। आरोप है कि आरोपी की मां मुन्नी और भाई सुशील ने शिकायत करने पर अभद्रता की। इस संबंध में एसएसआई हरिदास चौरसिया ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

एयरपोर्ट पर बम की सूचना से हड़कंप, इंडिगो विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर। रविवार सुबह लखनऊ एयरपोर्ट पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दिल्ली से बागडोगरा (पश्चिम बंगाल) जा रहे इंडिगो एयरलाइंस के एक विमान में बम होने की सूचना मिली। एहतियातन विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं और एयरपोर्ट पर उच्च स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई। जानकारी के अनुसार इंडिगो की उड़ान संख्या 6ईझ6650 रविवार सुबह दिल्ली से उड़ान भरकर बागडोगरा जा रही थी। उड़ान के दौरान विमान के बाथरूम में टिशू पेपर पर बम होने की सूचना लिखी हुई मिली। बाथरूम में गए एक यात्री की नजर इस पर पड़ी, जिसने तुरंत इसकी जानकारी क्रू मेंबर को दी। सूचना मिलते ही पायलट ने संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया और नजदीकी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग का निर्णय लिया। इसके बाद पायलट ने लखनऊ एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से संपर्क कर इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। सुबह करीब 9:15 बजे विमान को लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया। विमान के उतरते ही बम निरोधक दस्ता, फायर ब्रिगेड, मेडिकल टीम और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं और विमान को घेर लिया गया। विमान में क्रू मेंबर सहित कुल 238 यात्री सवार थे। बम की सूचना फैलते ही यात्रियों में दहशत का माहौल बन गया। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों ने तत्परता दिखाते हुए सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से नीचे उतारा और उनकी गहन स्क्रीनिंग की गई। इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने विमान के भीतर कई घंटे तक तलाशी अभियान चलाया। लंबी जांच के बाद विमान के अंदर किसी भी प्रकार की संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। अधिकारियों ने प्रारंभिक जांच में इसे किसी शरारती तत्व द्वारा फैलाई गई अफवाह बताया है। सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद विमान को शाम करीब 4:45 बजे सभी यात्रियों के साथ बागडोगरा के लिए रवाना कर दिया गया। इस घटना के कारण विमान करीब साढ़े सात घंटे तक लखनऊ एयरपोर्ट पर खड़ा रहा, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

संक्षेप

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षो में जमकर मारपीट हो गयी। दोनो ही पक्षो के तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने दोनो पक्षो का मुकदमा दर्ज कर 4 लोगो का शांति भंग में चालान कर न्यायालय भेज दिया। थाना क्षेत्र के नटवरगंज -ककरारी निवासी बाबू व राज के बीच पुरानी रंजिश को लेकर रविवार शुबह विवाद हो गया। विवाद मारपीट में बदल गया। दोनो ही पक्षो जमकर लाठी डंडे चलने लगे। बाबू पक्ष से बाबू व चांद बाबू पुत्र जमील शादिक पुत्र पुत्तन गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि दूसरे पक्ष से रोहित पुत्र चांद, अरबाज पुत्र मोहम्मद हनीफ व मेराज घायल हो गए। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया दोनो पक्षो का मुकदमा सुसंगत धाराओं में दर्ज कर अरबाज,मेराज ,शादिक व चांद बाबू को शांति भंग की धारा में निरुद्ध कर न्यायालय भेज दिया गया है साथ ही गाँव में शांति ब्यबस्था बनाये रखने हेतु 43 लोगो को पाबंद किया गया है।

रेलवे क्रॉसिंग पर खराब हुआ डंपर बनी जाम की स्थित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। चकलवंशी मियागंज मार्ग पर मेथीटीकुर रेलवे क्रासिंग पर पूर्व में हुए ओवर हालिंग कार्य कराया गया था जिससे आवागमन में वाहन चालकों को परेशानी हो रही थी रविवार को डामरीकरण के लिए गिट्टी डाली जा रही थी इसी बीच क्रासिंग के पास डम्पर खराब हो गया जिससे दोपहर बाद रुक रुक कर जाम की स्थिति बनी रही कानपुर बालामऊ रेलवे ट्रैक पर गत अगस्त माह में ओवर हालिंग का कार्य कराया गया था जिसके कारण चकलवंशी मियागंज मार्ग पर मेथीटीकुर रेलवे कासिग के पर गिट्टी डाल दी गयी थी जिससे लोगों को निकलने मे दिक्कत होती थी जिसको लेकर रेलवे विभाग के आई डब्लू द्वारा रविवार को डामरीकरण का कार्य शुरू किया गया साथ ही क्रासिंग के पास ट्रक खराब हो गया जिसके कारण दोपहर बाद से रूक रूक कर जाम की समस्या बनी रही

चौड़ीकरण मार्ग के कार्य का बजट पास फिर भी कार्य में देरी

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के मंगतखेड़ा - सोहरामऊ मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण का निर्माण लागत 4822.29 करोड़ का बजट पास होने के लगभग दो माह बीतने के बाद भी अभी तक कार्य शुरू नही हो सका। आलम यह है कि इस मार्ग की दुर्दशा अत्यधिक खराब होने के चलते हर रोज की तरह हादसे कम होने का नाम नही ले रहे हैं। मार्ग खस्ताहाल की वजह कानपुर -लखनऊ एक्सप्रेसवे निर्माण के दौरान अत्याधिक ओवरलोड डंपरों की आवाजाही से दो साल में ही मार्ग गहरे गड्ढ़ों में तब्दील हो गया है ।जिसके चलते राहगीरों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग का बजट पास होने व निर्माण कार्य शुरू न होने कारण आज भी इस समस्या का भारी संकट झेलना पड़ रहा है ।आलम यह है कि बाइक सवार व ई रिक्से से होने वाले हादसे तो बढ़ते ही जा रहे हैं बाइक सवार गढ्डों में गिरकर घायल हो रहे है ।लेकिन उक्त मार्ग को सही नहीं कराया गया है। ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

मंगतखेड़ा सोहरामऊ मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण को 4822.29 करोड़ का बजट लगभग दो माह पूर्व पास हो गया था। लेकिन निर्माण कार्य अभी तक नही शुरू हो सका है ।सरकार के सड़को को गड्ढा मुक्त करने के लिए दिया गया समय पूरा हो गया है। लेकिन अभी भी कुछ सड़के ऐसी है जिन पर केवल गड्ढे ही दिखाई दे रहे है ।जिसका उदाहरण क्षेत्र का मंगतखेड़ा - सोहरामऊ मार्ग है। लगभग 18 किमी लंबे मार्ग की दो वर्ष पूर्व लगभग चार करोड़ की लागत से लोकनिर्माण विभाग ने मरम्मत कराई गई थी। उक्त मार्ग से लगभग प्रतिदिन दो सैकड़ा से अधिक छोटे बड़े वाहनों का आना जाना रहता है। क्षेत्र से निकल रहे कानपुर -लखनऊ एक्सप्रेसवे निर्माण के चलते उक्त मार्ग पर रातों दिन कार्यदाई संस्था पीएनसी के मिट्टी लदे व अन्य ओवरलोड डंपरों का आवागमन रहता है। जिसके चलते मार्ग गहरे गड्ढ़ों में तब्दील हो गया है। आलम यह है कि उक्त मार्ग पर हुए गढ्डों मे कई बाइक सवार रात के अंधेरे में गिरकर चोटहिल हो चुके है ।मार्ग क्षतिग्रस्त होने से क्षेत्र के मंगतखेड़ा , रकबा , रायपुर , कुदिकापुर, मेदपुर , सुरजापुर , रतावर, महिपतखेड़ा ,कांथा सहित दर्जनों गांवों की लगभग एक लाख आबादी को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के रोहित , आशू , शरदचंद्र , शानू , अंजुल , राजीव , मुकेश , गणेश , शशांक , श्यामू आदि लोगो ने बताया कि दो वर्षों से खराब पड़े मार्ग की अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से शिकायत की गई थी। लेकिन अत्यधिक समय बीतने के बाद संज्ञान लेकर बजट भी पास हो गया लेकिन निर्माण कार्य अभी तक नही शुरू हो सका है। बताया कि दो वर्षों से खस्ताहाल मार्ग पर चलने से वाहन भी खराब हो गए है ।बारिश में गहरे गड्ढों में पानी भर जाएगा। जिससे कोई हादसा घटित हो सकता है। बजट पास होने के बावजूद भी निर्माण प्रक्रिया अभी तक शुरू नही हो सकी।

मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण को लेकर शासन द्वारा 4822.29 करोड़ का बजट पास किया गया है। जिसमे मार्ग को 7 मीटर चौड़ा भी किया जाना शामिल है।

लोक निर्माण विभाग जे ई आनन्द कुमार ने बताया कि शासन से बजट जारी हो गया है,टेंडर प्रक्रिया अमल मे लाई जा रही है, जल्द ही कार्य शुरू हो जाएगा।

सकल हिंदू समाज द्वारा आयोजित हिंदू सम्मेलन में उमड़ा जन सैलाब

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। विकास खंड असोहा क्षेत्र के अंतर्गत सई नदी के किनारे रामपुर कुटी गोविंदाचार्य कर्मभूमि पर आयोजित हिंदू सम्मेलन में वक्ताओं ने हिंदू समाज को जागृत करने के लिए जोरदारी से हुंकार भरी कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वामी लक्ष्मण आचार्य महाराज ने कहा अब समय जातियों में विभक्ति होने का नहीं एकजुट होकर हुंकार भरने का है अपने शरीर में ही चारों वर्णों की व्यवस्था का वर्णन किया गया है इस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में सुशील सांवरिया ने हुककार भरते हुए कहा कि आज शक्ल समाज को जागृत होकर पर्यावरण सामाजिक समरसता कुटुंब प्रबोधन स्वा को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ना है समाज आगे जाकर नहीं बढ़ता है तो आगे का समय और संघर्ष शी ल हो सकता है इस मौके पर मातृशक्ति के रूप में लखनऊ से आई बहन ने भी मंच की शोभा को बढ़ाया कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर की गई वही समापन पर भारत माता की आरती भी समाज ने की तत्पश्चात प्रसाद का भी वितरण किया गया इस मौके पर स्वयं प्रतापखंड कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक असोहा सहखंड कार्यवाह बलराम तिवारी सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुषों बच्चों ने भाग लिया

मौनी अमावस्या पर गंगा घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मौनी अमावस्या के अवसर पर रविवार को गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बावजूद सैकड़ों भक्तों ने आस्था की डुबकी लगाई और पुण्य लाभ अर्जित किया। जिले के प्रमुख गंगा घाटों, जिनमें शुक्लागंज, गंगाघाट, शिव पांडा घाट और बैराज घाट शामिल हैं, पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कई परिवारों ने स्नान के बाद पूजा-अर्चना की और दान-पुण्य किया। ऐसी मान्यता है कि मौनी अमावस्या पर गंगा स्नान से पापों का नाश होता है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं, इसी आस्था के कारण भीषण ठंड में भी लोग स्नान करने से पीछे नहीं हटे। ठंड और घने कोहरे के कारण श्रद्धालुओं को स्नान के दौरान काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। गंगा के बर्फीले पानी में उतरते समय कई भक्त कांपते हुए दिखे, लेकिन उनकी श्रद्धा ठंड पर भारी पड़ी। स्नान के बाद लोग अलाव के पास बैठकर खुद को गर्म करते नजर आए। सुबह के समय घाटों पर कोहरा इतना घना था कि दृश्यता बेहद कम थी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन और पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहे। प्रत्येक प्रमुख घाट पर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। इसके अतिरिक्त, गोताखोरों और जल पुलिस की टीमों को भी अलर्ट पर रखा गया। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए गोताखोर रेस्क्यू उपकरणों के साथ गंगा में निगरानी करते दिखे। पुलिस अधिकारियों ने गहरे पानी में जाने से बचने की हिदायत भी दी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए घाटों की ओर जाने वाले मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई थी और पुलिसकर्मी तैनात थे। महिला श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया। प्रशासन ने घाटों पर सफाई व्यवस्था भी बनाए रखी, ताकि भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्रद्धालुओं ने प्रशासन की व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि कड़ाके की ठंड के बावजूद सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे सभी ने सुरक्षित रूप से स्नान किया।

बीएलए दो कार्यशाला एवं मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल का किया गया शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर के लखनऊ रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में कांग्रेस पार्टी की ओर से संगठन सृजन अभियान के तहत बीएलए-2 कार्यशाला एवं मनरेगा बचाओ संग्राम चौपाल का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कांग्रेस वार रूम प्रभारी एवं भारत सरकार की केंद्रीय रोजगार गारंटी परिषद के पूर्व सदस्य संजय दीक्षित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और मनरेगा योजना को लेकर कार्यकताओं को जागरूक करना रहा। मुख्य अतिथि संजय दीक्षित ने कहा कि मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है ।जिसे कांग्रेस किसी भी हाल में सफल नहीं होने देगी। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि वे गांव-गांव जाकर आम लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करें और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करें। कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कोआर्डिनेटर विदुषी बाजपेई एवं कांग्रेस की पूर्व विधानसभा प्रत्याशी आरती बाजपेई ने भी संबोधित किया। कृष्ण पाल सिंह यादव, ब्लाक अध्यक्ष सुशील पाल सहित अन्य वक्ताओं ने संगठन सृजन अभियान की रूपरेखा पर विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान अतुल शुक्ला, महेंद्र मिश्रा, पप्पू द्विवेदी, संजीव कुमार शुक्ला गुड्डू, विशाल मिश्रा, जियाउद्दीन अंसारी, ताजुद्दीन अंसारी, रफी सिद्दीकी, शोभारण निषाद, रामऔतार निषाद, परशुराम शर्मा सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में संगठन को नई ऊर्जा देने और आगामी रणनीति पर चर्चा की गई।

सुपर ओवर में असोहा को हरा कर पाठकपुर की टीम बनी विजेता

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। रविवार को पाठकपुर क्रिकेट मैदान मे चल रही प्रतियोगिता का फाइनल मैच असोहा और पाठकपुर के मध्य खेला गया। पाठकपुर की टीम टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया ।पाठकपुर की टीम अनुज 26 रन ,बाला 19 रन वा लाला 12 रनो की बदौलत 12ओवर मे 83 रनो पर आल आउट हो गयी। असोहा की ओर से अर्पित ने 3 विकेट और दीपांशु ने 2विकेट लिये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी असोहा की टीम सूरज 21 और दीपांशु 11 रनो की की सहायत से 15 ओवर एक गेंद पर 83 रनो पर ही आल आउट हो गयी और मैच ड्रा हो गया। सुपर ओवर मे असोहा की टीम 3 रन ही बना सकी और पाठकपुर की टीम चार गेंदों मे मैच जीत लिया और विजेता बन गयी। टूनार्मेंट मे बेहतरीन प्रदर्शन के लिये मैन ऑफ दी सीरीज पाठकपुर के अनूप व मैच मे शानदार प्रदर्शन के लिये मैन ऑफ दी मैच पाठकपुर के लाला को चुना गया। विजेता टीम को रानू त्रिवेदी और उप विजेता टीम को राजेश अग्निहोत्री ने ट्राफी प्रदान की। इस दौरान सतीश अग्निहोत्री,श्यामू चौरसिया ,राजवीर यादव ,शारदा जायसवाल ,शिव कमल ,प्रवीण ,विनीत आदि लोग मौजूद रहे।

मार्ग दुर्घटना में मृतक दो युवकों के शव गांव पहुंचते ही परिजनो में मचा कोहराम

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। स्थानीय क्षेत्र में शनिवार देर साम हुए सड़क मार्ग हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत के बाद शव जैसे ही घर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने एक मृतक के शव का अन्तिम संस्कार दबौली घाट पर कर दिया जबकि दूसरे मृतक का अन्तिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा। क्षेत्र के अन्तर्गत हरदोई उन्नाव रोड पर काली मिट्टी चौराहे के पास एक भट्ठे के निकट देर शाम दो बाईकों की आमने सामने भिड़ंत हुई थी जिसमें कठीघरा गांव निवासी एक बाइक पर सवार राधे लाल के दो पुत्र कुलदीप व नागेश्वर तथा दूसरी बाइक सवार राजीव पुरम निवासी विजय के अलावा एक अन्य युवक समेत चार लोग घायल हो गए थे। जिन्हें सी एच सी भेजा गया जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था। जिला अस्पताल में डाक्टरों ने दो घायलों कुलदीप एवं विजय को मृत घोषित कर दिया। वहीं दो घायल नागेश्वर एवं छोटू का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव जैसे ही गांव पहुंचे तो कोहराम मच गया। मृतक कुलदीप तीन भाइयों एवं दो बहनों में सबसे बड़ा था और टाइल्स लगाने का काम करता था। कुलदीप विवाहित था उसके पांच पुत्रियां हैं। कुलदीप की मौत से पत्नी मीरा मां राजरानी पिता राधेलाल जो पी डब्लू डी विभाग में मेट है एवं पुत्रियों समेत परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो रहा था। पति की मौत से पत्नी मीरा को अपनी पुत्रियों की परवरिश की चिन्ता सता रही है। वहीं दूसरा मृतक विजय पुणे में फल बेचने का काम करता था। विजय चार भाई व दो बहनों में चौथे नंबर का था और अविवाहित था। घर के कमाऊ पुत्र की मौत से परिजनों में आर्थिक स्थिति को लेकर चिन्ता सता रही है। विजय का अंतिम संस्कार रविवार को दबौली घाट पर कर दिया गया जबकि कुलदीप का अन्तिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा। गांव के लेखपाल ने भी गांव पहुंचकर जानकारी ली।

सड़क पर युवक ने किया डांस वीडियो हुआ वायरल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। लखनऊ-कानपुर हाईवे पर एक युवक ने चलती सड़क पर डीजे पर डांस किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। सदर कोतवाली पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है और जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो में युवक लखनऊ-कानपुर हाईवे के गदनखेड़ा क्षेत्र में सड़क के बीचों-बीच तेज आवाज में बज रहे डीजे पर डांस करता दिख रहा है। इस दौरान हाईवे पर वाहनों की आवाजाही लगातार जारी थी। ट्रक, कार, बस और मोटरसाइकिलें युवक के पास से गुजर रही थीं, फिर भी वह बेखौफ होकर नाचता रहा। वीडियो देखकर साफ जाहिर होता है कि जरा सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती थी। जानकारी के अनुसार, डांस करने वाले युवक की पहचान अंकित यादव के रूप में हुई है। उसके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगभग 80.7 हजार फॉलोअर्स हैं। आशंका जताई जा रही है कि युवक ने अधिक लाइक और व्यूज पाने के उद्देश्य से जानबूझकर हाईवे जैसी खतरनाक जगह को चुना, ताकि वीडियो वायरल हो सके। युवक ₹मस्ती भरी रात है कुड़ियो का भी साथ है₹ गाने पर डांस कर रहा था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद आम लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि इस तरह की रील बनाने और स्टंट की प्रवृत्ति सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन रही है। उन्होंने पुलिस से ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग की है। सदर कोतवाली पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वीडियो की जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि वीडियो कब और किस समय बनाया गया। साथ ही युवक की पहचान की पुष्टि कर उसके खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम और अन्य संबंधित धाराओं में कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने के लिए इस तरह के खतरनाक स्टंट न करें। सड़क और हाईवे किसी भी तरह से मनोरंजन का स्थान नहीं हैं।

रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्लागंज क्षेत्र में रविवार को गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन ने एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं सहित अन्य लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। कुल 30 से अधिक यूनिट रक्त एकत्र किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना था। शिविर के दौरान संस्था के सक्रिय सदस्य अस्लम मदनी ने बताया कि फाउंडेशन समय-समय पर ऐसे सामाजिक कार्य करता रहता है। उन्होंने कहा- कि शुक्लागंज में आयोजित इस शिविर में लोगों की भागीदारी समाज में सेवा भाव की कमी न होने का प्रमाण है। युवाओं के उत्साहपूर्ण रक्तदान से कई जरूरतमंदों की जान बचाई जा सकेगी। अस्लम मदनी ने यह भी बताया कि गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन केवल रक्तदान तक सीमित नहीं है। यह संस्था समाज कल्याण के अन्य कार्यों में भी सक्रिय रहती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि कुछ महीने पहले शुक्लागंज में गंगा में बाढ़ आने पर फाउंडेशन की टीम ने नावों के जरिए सैकड़ों घरों तक राशन और आवश्यक सामग्री पहुंचाई थी। फाउंडेशन सर्दियों में गरीब और जरूरतमंदों को कंबल वितरित करता है। गर्मियों में राहगीरों को पीने का पानी उपलब्ध कराना, पौधारोपण करना और पौधों का वितरण करना भी इसकी नियमित गतिविधियों का हिस्सा है। संस्था का मानना है कि पर्यावरण संरक्षण और मानव सेवा समाज की मूलभूत जिम्मेदारियां हैं। शिविर में उपस्थित लोगों ने गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सोच और आपसी सहयोग को बढ़ावा देते हैं। कई रक्तदाताओं ने पहली बार रक्तदान किया और भविष्य में भी ऐसे शिविरों में भाग लेने की इच्छा व्यक्त की। रक्तदान शिविर के दौरान रक्त संग्रह चिकित्सा टीम की कड़ी निगरानी में किया गया।

पति-पत्नी के 26 विवादित जोड़ो की सकुशल की गयी विदाई

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जय प्रकाश सिंह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव के कुशल निर्देशन एवं दीपक यादव सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल पर्यवेक्षण व संचित शर्मा सहायक पुलिस अधीक्षक (प्रशि.) की उपस्थिति में रिजर्व पुलिस लाइन उन्नाव एवं विभिन्न थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया। परिवार परामर्शदाताओं एवं महिला हेल्पडेस्क की टीम द्वारा उनकी काउंसलिंग करते हुए उनके बीच उपजे विवाद को खत्म कराया गया तथा परिवार को टूटने से बचाया। तदोपरान्त परिवार परामर्श केन्द्र से 07, महिला थाना से 05, थाना औरास, थाना असोहा 03-03, थाना कोतवाली सदर, थाना गंगाघाट से 02-02, थाना बांगरमऊ, थाना पुरवा, थाना हसनगंज, थाना अजगैन से 01-01 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। उपरोक्त पुनीत कार्य में प्रतीसार निरीक्षक सचिन रॉय, डब्लू सीएस ओ प्रभारी व मिशन शक्ति प्रभारी संतोष कुमारी सिंह, प्रभारी निरीक्षक महिला थाना रेखा सिंह, डॉ0 आशीष श्रीवास्तव प्रभारी परिवार परामर्श समिति एवं सलाहकारों में शिल्पी श्रीवास्तव संजय चौरसिया, राजेन्द्र सिंह सेंगर, डा0 एस.के. पाण्डेय, शशि रंजना अग्निहोत्री, डा0 मनीष सिंह सेंगर, डा0 अबसार अली, डा0 सगीर अहमद व सहियोगी शिवेन्द्र सिंह तथा पुलिस टीम में उप निरीक्षक मिथलेश वर्मा , उप निरीक्षक अजय यादव, महिला आरक्षीगण अंशू रानी, सेविका, नीतू सिंह, अलका यादव, शीलू, उपासना, सुहावना,पूजा चौधरी, महिला आरक्षी राखी राघव तथा मुख्य आरक्षी संजेश का विशेष योगदान रहा।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर शिविर का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। मतदाता सूची के पुनरीक्षण सम्बन्धी एस आई आर कार्यक्रम के अन्तर्गत कस्बे के जवाहर लाल नेहरू इण्टर कालेज में बी एल ओ की उपस्थिति में एक शिविर लगाया गया जिसमें मतदाताओं की समस्याओं, नए मतदाताओं के नाम बढ़ाने, नाम संशोधन, तथा स्थानांतरित एवं मृत मतदाताओं की पुष्टि सम्बन्धी त्रुटियों एवं उनमें सुधार आदि समस्याओं का समाधान किया गया। एस आई आर कार्य हेतु जारी वोटर लिस्ट में कमियों के चलते मतदाताओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कहीं मतदाताओं के नाम ही वोटर लिस्ट से गायब है तो कहीं स्थानांतरण लिस्ट में उनके नाम पड़े हैं जिनके सुधार हेतु मतदाता प्रयासरत हैं ।नगर में अनेक नए मतदाताओं ने अपने को मतदाता बनाने की कार्यवाही शुरू की। नगर में जो वोटर लिस्ट एस आई आर कार्य हेतु बी एल ओ को मिली उसमें नगर पंचायत के प्रथम चेयरमैन रहे शंकरदयाल दीक्षित का ही नाम गायब मिला। जबकि 2003की वोटर लिस्ट में उनका नाम है। इस सम्बन्ध में बी एल ओ ने बताया कि उनके वोटर लिस्ट में नाम बढ़ाने के लिए पत्रजात मिलने पर उनका नाम बढ़ा दिया जाएगा। इसी तरह अन्य समस्याओं का समाधान मतदाताओं से अभिलेख मिलने पर किया जाएगा।

खिचड़ी भोज कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी रविवार को उन्नाव पहुंचे। यहां उन्होंने खिचड़ी भोज कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मंदिरों से जुड़े बयान पर तीखा पलटवार किया। भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि भाजपा देश की सांस्कृतिक विरासत और आस्था का सम्मान करने वाली पार्टी है, जबकि सपा का एजेंडा सिर्फ नकारात्मक राजनीति और जनता को भ्रमित करना है। भूपेन्द्र चौधरी ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के पास अब कोई सकारात्मक मुद्दा नहीं बचा है। इसी वजह से सपा के नेता लगातार ऐसे बयान दे रहे हैं, जिनका उद्देश्य जनता के बीच भ्रम फैलाना है। उन्होंने कहा कि सपा केवल दुष्प्रचार के सहारे राजनीति करना चाहती है, लेकिन प्रदेश की जनता अब उनकी चाल समझ चुकी है ।पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने सपा पर आधुनिक तकनीक और संसाधनों के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) का इस्तेमाल कर फर्जी वीडियो और भ्रामक सामग्री तैयार कर रही है, ताकि लोगों को गुमराह किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ऐसे तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शने वाली नहीं है। भूपेन्द्र चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पूरे प्रकरण को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि समाज में भ्रम और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। कानून के दायरे में रहकर ऐसे लोगों पर कठोर कदम उठाए जाएंगे। अखिलेश यादव के बयानों पर टिप्पणी करते हुए चौधरी ने कहा कि सपा प्रमुख खुद ही भ्रम की स्थिति में हैं। कभी वे भाजपा के वोट कटने की बात करते हैं, तो कभी इस तरह के बयान देकर जनता को गुमराह करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने इसे सपा की सोची-समझी रणनीति बताया। भूपेन्द्र चौधरी ने समाजवादी पार्टी की पूर्व सरकारों पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि वर्ष 2012 से 2017 के बीच उत्तर प्रदेश अराजकता, गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार और दंगों की चपेट में था। उस दौरान कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी थी और आम जनता भय के माहौल में जीने को मजबूर थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय अपराधियों और माफियाओं को खुला संरक्षण मिला हुआ था। चौधरी ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास की नई दिशा पकड़ी है। आज प्रदेश में कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है, अपराध पर नियंत्रण हुआ है और विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

दलित युवक के साथ मारपीट पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में एक दलित युवक के साथ मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया। पीड़ित युवक ने रविवार दोपहर भीम आर्मी के सैकड़ों कार्यकताओं के साथ कोतवाली पहुंचकर दबंगों के खिलाफ तहरीर दी। चीतेपुर गांव निवासी अतुल पुत्र स्वर्गीय रामखेलावन ने बताया कि यह घटना 12 जनवरी को हुई थी। सुबह करीब 11 बजे जब वह किसी काम से जा रहा था, तभी रास्ते में कुछ दबंगों ने उसे रोक लिया। उन्होंने अतुल के साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। इस मारपीट का वीडियो आज रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। पीड़ित परिवार दबंगों के डर से 12 जनवरी से अपने घर में ही बंद था। भीम आर्मी के कार्यकताओं से हौसला मिलने के बाद ही अतुल आज कोतवाली में शिकायत दर्ज कराने पहुंचा। अतुल ने आरोप लगाया है कि जातिगत द्वेष के कारण उसके साथ लात-घूसों से मारपीट की गई। बताया जा रहा है कि यह विवाद एक साल पहले अतुल द्वारा सोशल मीडिया पर डाले गए एक वीडियो के कारण शुरू हुआ था। पीड़ित ने अपनी और अपने परिवार की जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। उसने दबंगों के खिलाफ जांच कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली प्रभारी अखिलेश चंद्र पाण्डेय ने बताया कि मामले की तहरीर मिल गई है और जांच के बाद कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इस्लामिक देश ईरान में रिकॉर्ड तोड़ मुद्रास्फीति, खाद्य पदार्थों की कीमतों और मुद्रा के अवमूल्यन को लेकर अराजकता का माहौल है। आमजन में निराशा के चलते विरोध प्रदर्शन जल्द ही एक व्यापक आंदोलन में तब्दील हो चुके हैं, जिसमें मौजूदा शासन को समाप्त करने की मांग की गई है। नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी, कठोर मजहबी प्रतिबंधों एवं सामाजिक कानूनों के प्रति विद्रोही हैं। लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से असंतुष्ट हैं। उधर, अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहता है। वह अमेरिकी नेतृत्व वाले पश्चिमी हितों के अनुकूल नवशासन स्थापित कर ईरानी परमाणु कार्यक्रमों को पूरी तरह बंद करवाना चाहता है। ट्रंप की अतिवादी नीतियों ने जिस तरह ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसे आर्थिक रूप से कमजोर बनाने का खेल शुरू किया है, यह सीधे तौर पर भारत के लिए भी एक और मुसीबत खड़ी कर सकता है। ईरान स्थित चाबहार पोर्ट भारत के लिए अर्थनीतिक रूप में सबसे महत्वपूर्ण परियोजना है। अगर ईरान की स्थिति नियंत्रण से बाहर होती है, तो इससे वैश्विक स्तर पर तेल और वित्तीय बाजारों पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

ईरान का इस्लामिक दुनिया से जटिल रिश्ता

विश्लेषण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

रमजान के महीने में राजधानी दिल्ली में इस्लामिक देशों के राजनयिक आमतौर पर चाणक्यपुरी में स्थित सूडान एंबेसी में नमाज अदा करते हैं। ईरानी राजनयिक अपनी एंबेसी में ही नमाज अदा करते हैं। ईरान और शेष इस्लामिक संसार में दूरियों को इस उदाहरण से कुछ हद कर समझा जा सकता है। दरअसल, ईरान के इस्लामिक राष्ट्रों के साथ संबंध जटिल और बहुआयामी हैं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान ने शिया इस्लाम को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया है, जो सुन्नी-बहुल मुस्लिम दुनिया के साथ उसके संबंधों को प्रभावित करता है। ईरान की सरकार खुद को इस्लामिक एकता का समर्थक बताती है, लेकिन वास्तव में वह शिया प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश करती रहती है। ईरान की इस्लामिक क्रांति ने उसे मुस्लिम दुनिया में एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में स्थापित किया, जहां वह खुद को साम्राज्यवाद-विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक के रूप में पेश करता है। हालांकि, शिया-सुन्नी विभाजन के कारण ईरान की सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य सुन्नी-बहुल देशों के साथ प्रतिद्वंद्विता गहरी है। ईरान को सुन्नी राष्ट्रों द्वारा 'शिया विस्तारवादी' के रूप में देखा जाता है, जबकि ईरान इन देशों को अमेरिका की कठपुतली मानता है।

ईरान के इस्लामिक राष्ट्रों के साथ संबंध जटिल और बहुआयामी हैं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान ने शिया इस्लाम को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया है, जो सुन्नी-बहुल मुस्लिम दुनिया के साथ उसके संबंधों को प्रभावित करता है। ईरान की सरकार खुद को इस्लामिक एकता का समर्थक बताती है, लेकिन वास्तव में वह शिया प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश करती रहती है। ईरान की इस्लामिक क्रांति ने उसे मुस्लिम दुनिया में एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में स्थापित किया, जहां वह खुद को साम्राज्यवाद-विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक के रूप में पेश करता है।

विद्रोहियों को रहा समर्थन

1980 के दशक से ईरान ने लेबनान में हिजबुल्लाह, इराक में शिया मिलिशिया, सीरिया में असद शासन और यमन में हूती विद्रोहियों को समर्थन दिया। यह नेटवर्क ईरान को क्षेत्रीय शक्ति प्रदान करता है, लेकिन इसे आतंकवाद का प्रायोजक भी बनाता है, जैसा कि अमेरिका और उसके सहयोगी दावा करते हैं। सऊदी अरब और ईरान में पुरानी अदावत है। दरअसल सऊदी अरब में एक शिया मौलवी को 2016 में फांसी की सजा दी गई थी और इसी मुद्दे पर 2016 में सऊदी अरब और ईरान के कूटनीतिक संबंध खत्म हो गए थे। तब से ये दोनों देश एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए थे। सऊदी अरब खुद को सारी दुनिया के सुन्नी मुसलमानों का रहनुमा मानता है और ईरान अपने को शिया मुसलमानों का। आप जानते हैं कि दोनों ही देश तेल उत्पादक देश हैं। दोनों ही देश अपने व्यावसायिक दिलचस्पी के वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हैं। क्या सऊदी अरब और ईरान कभी चीन से यह पूछने की हिमाकत करेंगे कि चीन में मुसलमानों पर भीषण अत्याचार क्यों हो रहे हैं? वे कब थमेंगे? चीन ने अपने मुस्लिम बहुल शिनजियांग प्रांत में रहने वाले मुसलमानों को पूरी तरह से कसा हुआ है।

ईरान की अलगाववादी स्थिति

उन्हें खान-पान के स्तर पर वह सब कुछ करना पड़ा रहा है, जो उनके इस्लाम धर्म में पूर्ण रूप से निषेध है। इस बीच, ईरान अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे सुन्नी बहुल देशों के साथ व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाता है। वह मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे सुन्नी समूहों से भी संबंध रखता है, ताकि अमेरिकी प्रभाव का मुकाबला कर सके, लेकिन कुल मिलाकर, ईरान की अलगाववादी स्थिति बनी हुई है, विशेष रूप से सुन्नी अरब देशों के साथ। हालांकि यह बताना जरूरी है कि उसकी पाकिस्तान से तनातनी भी चलती रहती है। ईरान ने पाकिस्तान में 2021 में सर्जिकल स्ट्राइक किया था। इस हमले का नतीजा यह हुआ कि ईरान ने अपने कुछ अपहृत कर लिए गए नागरिकों को 'जैश उल अदल' नाम के आतंकी संगठन के कब्जे से छुड़वा लिया। जैश अल-अदल के आतंकी पाकिस्तान की ईरान से लगती सरहद पर लगातार हमले बोल रहे हैं। उनके 2019 के हमले में 27 ईरानी नागरिक मारे गए थे। ओआईसी में ईरान की स्थिति ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) 1969 में स्थापित विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें 57 मुस्लिम बहुल देश शामिल हैं।

ओआईसी में भूमिका प्रभावित

ईरान इस संगठन का संस्थापक सदस्य होने के साथ-साथ शुरू से ही एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हालांकि, ईरान की स्थिति हमेशा विवादास्पद और उतार-चढ़ाव वाली रही है। सऊदी अरब के साथ क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता ने ओआईसी में ईरान की भूमिका को बार-बार प्रभावित किया।

उसे 1980 के दशक में ईरान-इराक युद्ध के दौरान ओआईसी में अलग-थलग करने की कोशिशें हुईं। फिर भी, ईरान ने इस संगठन में अपनी सक्रियता कभी कम नहीं होने दी। वह फिलिस्तीन के समर्थन, कश्मीर मुद्दे और इस्लामोफोबिया के खिलाफ लगातार मुखर रहा। हाल के वर्षों में, खासकर 2024-2025 में इजराइल के साथ बढ़ते तनाव और ईरान पर हुए हमलों के बाद उसने ईरान ओआईसी से मजबूत एकजुटता की मांग की। कतर, मलेशिया, इंडोनेशिया और तुर्की जैसे देशों ने कई बार ईरान के पक्ष में आवाज उठाई, लेकिन सऊदी अरब और उसके सहयोगियों के प्रभाव के कारण संगठन अक्सर निर्णायक कार्रवाई करने में असमर्थ रहा।

सुन्नी देशों के साथ तनाव

ईरान ओआईसी को मुस्लिम दुनिया की एकता का मंच मानता है, लेकिन ईरान की स्थिति प्रभावशाली तो है, परंतु पूर्ण नेतृत्व वाली नहीं है। आज ईरान के प्रमुख सहयोगी हैं: लेबनान में हिजबुल्लाह, गाजा में हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद, यमन में हूती, इराक में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज। ये समूह ईरान को इजराइल और अमेरिका के खिलाफ 'प्रतिरोध' प्रदान करते हैं। ईरान रूस और चीन के भी करीब है, जो उसे प्रतिबंधों से बचाने में मदद करते हैं। दूसरी ओर, उसका सुन्नी देशों के साथ तनाव जारी है। सऊदी अरब के साथ यमन युद्ध और इराक में प्रभाव की लड़ाई ने संबंधों को बिगाड़ा है। हालांकि, 2023 में चीन की मध्यस्थता से कुछ सामान्यीकरण हुआ, लेकिन इजराइल-हमास युद्ध ने फिर तनाव बढ़ाया। ईरान खुद को मुस्लिम दुनिया का रक्षक बताता है, लेकिन कई राष्ट्र उसे संदेह की नजर से देखते हैं।

देश में विरोध प्रदर्शन

उनका मानना है कि वह क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाता है। ईरान में आजकल चल रही उथल-पुथल इस्लामिक दुनिया के साथ उसके संबंधों को और जटिल बना रही है। दिसंबर से तेहरान के ग्रैंड बाजार में दुकानदारों की हड़ताल से शुरू हुए विरोध प्रदर्शन तेजी से देशव्यापी हो गए, सभी 31 प्रांतों में फैल गए। शुरुआत में मुद्रा (रियाल) के पतन और 40% महंगाई के खिलाफ थे, लेकिन जल्दी ही राजनीतिक हो गए। प्रदर्शनकारी देश के शिखर नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ नारे लगा रहे हैं, रेजा पहलवी (पूर्व शाह के पुत्र) के पक्ष में चिल्ला रहे हैं, और शासन के अंत की मांग कर रहे हैं।

रूस-चीन की दिलचस्पी सैनिक कार्रवाई में नहीं

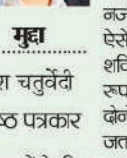

मुद्दा

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

साल 2026 के तीसरे ही दिन अमेरिका ने जिस तरह वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की, उसके बाद से विशेषकर सैनिक रूप से कमजोर देशों में चिंता की लहर है। अमेरिका के सर्वोच्च पद पर डोनॉल्ड ट्रंप के रहते ऐसी चिंताएं स्वाभाविक भी हैं। जिस तरह अपने ही खेमे के देश डेनमार्क के ग्रीनलैंड द्वीप पर ट्रंप ने अपनी नजर टिका रखी है, उससे दुनिया को चिंतित होना ही चाहिए। ऐसे में विश्व की निगाह दुनिया के सैनिक रूप से दूसरे शक्तिशाली देश रूस और आर्थिक रूप से दूसरे और सैनिक रूप से तीसरे ताकतवर देश चीन पर लगना स्वाभाविक है। दोनों ही देशों ने वेनेजुएला पर जिस तरह रस्मी प्रतिक्रिया जताई है, उससे लगता नहीं कि वे भविष्य में ऐसी अमेरिकी कार्रवाइयों के खिलाफ अपने मित्र देशों के पक्ष में खड़े होंगे।

जब तक सोवियत संघ अस्तित्व में रहा, कम से कम दुनिया के कमजोर और साधनहीन देशों को उम्मीद रहती थी कि अगर अमेरिका ने उनकी ओर आंख तरेरी तो सोवियत संघ का साथ मिलेगा और अगर सोवियत संघ ने निगाहें तीखी कीं तो अमेरिका उसकी मदद करने पहुंचेगा। सोवियत संघ के विघटन के बाद उसका सबसे बड़ा हिस्सा रूस शक्तिशाली तो बना रहा है, लेकिन मौजूदा अमेरिका-ब्रिटेन प्रेरित-पोषित आर्थिक दुनिया में सोवियत संघ जैसी ताकत बना नहीं रह सका। बेशक डॉलर, सोवियत और आज के रूस की मुद्रा रूबल की तुलना में ताकतवर था, लेकिन ऐसा भी नहीं था कि आर्थिक रूप से पूरी दुनिया को नियंत्रित कर सके। आज आर्थिक क्षेत्र में डॉलर को कोई चुनौती नहीं है। ब्रिक्स देशों ने अपनी-अपनी मुद्राओं को आपसी आर्थिक व्यवहार में आगे बढ़ाने की कोशिश तो की है, हालांकि वह डॉलर को चुनौती देने की स्थिति में नहीं आ पाई हैं। अमेरिका जानता है कि उसकी आर्थिक ताकत को बड़े स्तर पर चुनौती देने की हालत में दुनिया की दूसरी यानी चीन की अर्थव्यवस्था नहीं है, इसलिए ट्रंप बेफिक्र होकर कभी मैक्सिको को अपना उपनिवेश बनाने की वकालत करते हैं तो कभी कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का ऐलान करते हैं। ग्रीनलैंड पर निगाह और वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई उनकी इसी सोच का विस्तार है। वेनेजुएला पर कार्रवाई को लेकर रूस और चीन ने चिंताएं तो जाहिर कीं, लेकिन वे वेनेजुएला को सैनिक सहयोग करने के लिए इच्छुक नहीं दिखे। इसकी मोटे तौर पर दो वजहें सामने आती हैं। वेनेजुएला से रूस ने 2010 में समझौता तो किया, लेकिन वह रणनीतिक, तकनीकी और आर्थिक मामलों पर केंद्रित है। सैनिक सहयोग की बात उसमें नहीं है। दिलचस्प यह है कि वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार का सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाला चीन भी इस मामले में उसको सैनिक सहयोग करने से दूर है। वेनेजुएला के तेल निर्यात का 50 से 89 प्रतिशत तक हिस्सा सिर्फ चीन जाता था। इसके बावजूद वह वेनेजुएला को सैनिक सहायता देने से हिचक रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन की नीतियां कम से कम एशिया से बाहर सिर्फ और सिर्फ आर्थिक मुद्दों पर ही टिकी हैं। ट्रंप काल में अमेरिका से कारोबारी मुद्दे पर उसकी ठनी हुई है। जिसे वह सहज करने की कोशिश में है, इसलिए वह कोई ऐसा कदम नहीं उठाना चाहता, जिससे अमेरिका से उसके कारोबारी रिश्तों पर असर पड़े। चीन की पूरी कोशिश है कि अमेरिका से जारी व्यापार युद्ध को खत्म करे। उसकी कोशिश किसी तरह अमेरिका को खुश करने की भी होगी, ताकि वेनेजुएला से वह पहले की तरह तेल का भारी आयात कर सके। वेनेजुएला के मसले पर रूस की भी स्थिति बहुत बेहतर नहीं है। रूस यूक्रेन में फंसा हुआ है। वेनेजुएला से रूस की रणनीतिक संधि तो है, लेकिन उसमें साझा रक्षा का जिक्र नहीं है। फिर रूस के संसाधन, सेना, सैन्य उपकरण आदि यूक्रेन युद्ध में लगे हुए हैं। ऐसे में अगर वह वेनेजुएला का सैन्य सहयोग करता है तो एक तरह से अमेरिका के खिलाफ नया मोर्चा खोलना होगा। रूस इस वजह से बचना चाहता है, इसीलिए जब रूसी झंडा लगे पोत को अमेरिकी सेना ने रोका तो रूस ने सिर्फ अमेरिका से रूसी नागरिकों की हिफाजत और उन्हें छोड़ने की अपील ही की। जाहिर है कि लगातार अर्थकेंद्रित होती दुनिया में देशों की प्राथमिकताएं बदल गई हैं। रूस और चीन इसी मानस से ग्रस्त हैं, इसीलिए वेनेजुएला ही नहीं, ऐसे अपने किसी और साथी के सहयोग के लिए सक्रिय रूप से सामने आने में अब उनकी दिलचस्पी नहीं है। ऐसे में दुनिया, विशेषकर अमेरिकी कोप से आशंकित देशों को चिंतित होने की जरूरत है। उन्हें वैकल्पिक राह भी तलाशनी होगी।

वेनेजुएला के तेल निर्यात का 50 से 89 प्रतिशत तक हिस्सा सिर्फ चीन जाता था। इसके बावजूद वह वेनेजुएला को सैनिक सहायता देने से हिचक रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन की नीतियां कम से कम एशिया से बाहर सिर्फ और सिर्फ आर्थिक मुद्दों पर ही टिकी हैं।

पर्शिया से ईरान बनने तक : सत्ता संस्कृति और संघर्ष की गाथा

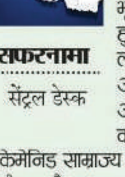

सफरनामा

सेंट्रल डेस्क

आज जिसे दुनिया ईरान के नाम से जानती है, वह सदियों तक पर्शिया या फारस कहलाता रहा। दिलचस्प तथ्य यह है कि देश के भीतर इसे हमेशा ईरान ही कहा गया, नाम बदला तो केवल बाहरी दुनिया की दृष्टि में। इसका नाम चाहे जो रहा हो, इस भूभाग की शक्ति, संस्कृति और महत्व कभी कम नहीं हुए। इतिहास के पन्ने पलटकर देखें तो ईरान की सभ्यता लगभग चार हजार वर्ष पुरानी है। इलेमाइट, अस्सीरियन और मेडियन सभ्यताओं के बाद हमदान राजधानी बना और यहीं से संगठित राजशाही की नींव पड़ी। इसी परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाई सायरस द ग्रेट ने, जिन्होंने एकेमेनिड साम्राज्य खड़ा किया। उनका साम्राज्य पूर्वी यूरोप से लेकर सिंधु नदी तक फैला था। सायरस केवल विजेता नहीं थे, वे कुशल प्रशासक भी थे। क्षत्रप प्रणाली, धार्मिक सहिष्णुता और यहूदियों की मुक्ति जैसे फैसलों ने उन्हें इतिहास में विशिष्ट स्थान दिलाया। भारत और फारस के भाषाई और सांस्कृतिक रिश्ते भी इसी दौर में मजबूत हुए।

सायरस के उत्तराधिकारी डेरियस द ग्रेट के समय फारस दुनिया की लगभग आधी आबादी पर शासन करता था। भारत को 'हिंदुस्तान' नाम देने का श्रेय भी इसी काल को जाता है। हालांकि ग्रीस पर आक्रमण फारस की वह रणनीतिक भूल साबित हुई, जिसने साम्राज्य की नींव हिला दी। 331 ईसा पूर्व में सिकंदर ने डेरियस तृतीय को हराकर पर्शिया पर अधिकार कर लिया। यह जीत केवल सत्ता परिवर्तन नहीं थी, बल्कि एक युग के अंत का संकेत थी। सिकंदर के बाद सेल्युकिड और पार्थियन आए, लेकिन फारसी गौरव का पुनरुत्थान सासानी वंश में हुआ। शापुर प्रथम ने रोमन सम्राट वैलेरियन को बंदी बनाकर रोम की अजेयता के मिथक को तोड़ा। इसके बाद सातवीं सदी में इस्लाम का आगमन हुआ। अरब विजय के साथ जोरोस्ट्रियन धर्म पर दबाव बढ़ा और यही समुदाय आगे चलकर पारसी कहलाया। जीवन रक्षा के लिए इन लोगों का भारत आगमन हुआ, जिसने भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता को नई पहचान दी।

मध्यकाल में फारसी भाषा और संस्कृति ने फिर उन्नति की। फिरदौसी की शाहनामा ने ईरान को उसकी ऐतिहासिक स्मृति लौटाई, लेकिन मंगोल आक्रमणों ने इस समृद्धि को तहस-नहस कर दिया। चंगेज खान और बाद में तैमूर के हमलों ने फारस और भारत दोनों को गहरे घाव दिए, जिनकी छाप सदियों तक बनी रही। आधुनिक ईरान की पहचान सफवी वंश के शिया धर्म को राज्य धर्म बनाने से बनी। यही कारण है कि आज ईरान शिया इस्लाम का केंद्र है। नादिर शाह के दिल्ली आक्रमण ने मुगल साम्राज्य के पतन को तेज किया और भारतीय इतिहास की दिशा बदल दी। उन्नीसवीं सदी में पर्शिया ब्रिटेन और रूस की साम्राज्यवादी राजनीति में उलझ गया। 1935 में रेजा शाह पहलवी ने देश का आधिकारिक नाम ईरान किया। तेल के राष्ट्रीयकरण और 1953 के अमेरिकी-समर्थित तख्तापलट ने ईरान की राजनीति को निर्णायक रूप से प्रभावित किया। शाह की भव्यता और जनता की बदहाली के बीच खाई बढ़ती गई। 1979 की इस्लामी क्रांति ने राजशाही का अंत कर दिया, लेकिन स्थायी स्थिरता नहीं दे सकी। आज ईरान एक बार फिर अपने अतीत और वर्तमान के बीच झूल रहा है। इतिहास गवाह है कि यह देश जितनी बार आगे बढ़ा, उतनी बार उसका अतीत उसके सामने खड़ा हो गया। शायद यही कारण है कि सिकंदर की अंगूठी, शाहनामा की गाथाएं और शाह की ताजपोशी आज भी ईरान की राजनीति और चेतना में एक साथ जीवित हैं। गौरतलब है कि ईरान में पिछले दो हफ्तों से विरोध प्रदर्शनो जारी हैं। इनकी वजह से वहां की स्थिति अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है। बताया जा रहा है कि इन विरोध प्रदर्शनों में अब तक करीब 114 सरकारी अधिकारी व कर्मचारी भी मारे गए हैं। हालांकि, सही संख्या का जानना मुश्किल है क्योंकि देश में अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों पर पाबंदियां हैं।

सिकंदर की अंगूठी, शाहनामा की गाथाएं और शाह की ताजपोशी आज भी ईरान की राजनीति और चेतना में एक साथ जीवित हैं।

तेल बाजारों के लिए कितने मायने रखता है ईरान का भविष्य

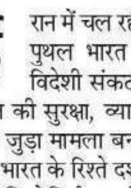

अराजकता

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

ईरान में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल भारत के लिए सिर्फ एक विदेशी संकट नहीं है, बल्कि यह भारत की सुरक्षा, व्यापार और रणनीति से सीधे जुड़ा मामला बनता जा रहा है। ईरान और भारत के रिश्ते दशकों पुराने हैं।

ये रिश्ते सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं, बल्कि भूगोल, रणनीतिक संतुलन और क्षेत्रीय पहुंच से जुड़े हैं। अगर ईरान कमजोर हुआ या वहां सत्ता परिवर्तन हुआ, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान भारत को हो सकता है। भारत के लिए ईरान सिर्फ एक देश नहीं, बल्कि पश्चिम की ओर खुलने वाला एकमात्र भरोसेमंद दरवाजा है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान और मध्य एशिया के लिए भारत के जमीनी रास्ते बंद कर रखे हैं। ऐसे में ईरान ही भारत को उस क्षेत्र से जोड़ता है, जहां से ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक पहुंच मिलती है। ट्रंप की अतिवादी नीतियों ने जिस तरह ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसे आर्थिक रूप से कमजोर बनाने का खेल शुरू किया है, यह सीधे तौर पर भारत के लिए भी एक और मुसीबत खड़ी कर सकता है। अगर ईरान की स्थिति नियंत्रण से बाहर होती है, तो इससे वैश्विक स्तर पर तेल और वित्तीय बाजारों पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा। वेनेजुएला में निकोलस मादुरो को हटाए जाने के बाद ऐसा नहीं हुआ था, लेकिन ईरान के मामले ने सभी को चिंता में डाल दिया है क्योंकि ईरान, वेनेजुएला की तुलना में चार गुना अधिक तेल का उत्पादन करता है। ओपेक देशों में ईरान तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है। दुनिया की कुल तेल मांग का लगभग चार फीसदी हिस्सा ईरान से आता है, जबकि वेनेजुएला सिर्फ एक फीसदी ही उत्पादन करता है। संघर्ष के समय में इतिहास इसका गवाह रहा है। फिलहाल, बाजार 'इंतजार करो और देखो' की स्थिति में है। क्रूड की कीमतों में उथल-पुथल का असर भारत पर सीधे पड़ता है। भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा आयात से पूरा करता है। इस भारी निर्भरता के कारण उसे अपने विदेशी मुद्रा भंडार का काफी बड़ा खर्च इस पर करना पड़ता है। इससे भारत का इंपोर्ट बिल बढ़ता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जरा भी तेजी भारत में पेट्रोल, डीजल और माल ढुलाई की लागत बढ़ा देती है। दूसरी तरफ, हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। सत्ता परिवर्तन के संक्रमण काल में भारत को अमेरिका और ईरान के बीच संतुलन बनाना बहुत कठिन हो सकता है। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण चोक प्वाइंट बना हुआ है। यहां से वैश्विक एलएनजी व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत और कच्चे तेल के निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है। ईरान इस रास्ते को बंद कर सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास किसी भी तरह की बाधा से इराक, सऊदी अरब और यूएई से तेल की खेप प्रभावित हो सकती है। इस रास्ते में बाधा आने से तेल लाने की लागत बढ़ जाएगी। इससे समय के साथ-साथ लागत के मामले में भारत के निर्यात को नुकसान हो सकता है।

भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा तेल आयात से पूरा करता है। इस भारी निर्भरता के कारण उसे अपने विदेशी मुद्रा भंडार का काफी बड़ा खर्च इस पर करना पड़ता है।

साफ है, यदि सत्ता परिवर्तन हिंसक होता है तो ईरान में लंबे समय तक अस्थिरता रह सकती है। इससे भारत के करोड़ों डॉलर के निवेश अधर में लटक सकते हैं। वर्तमान में अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत ईरान से तेल नहीं खरीद पा रहा है। यदि नई सरकार आती है और अमेरिका के साथ उसके संबंध सुधरते हैं, तो भारत को फिर से ईरान से सस्ता और गुणवत्तापूर्ण कच्चा तेल मिल सकेगा। इसमें कोई संदेह नहीं स्थिर ईरान भारत के लिए बहुत मायने रखता है। ईरान में सत्ता परिवर्तन यदि लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से होता है तो यह भारत के लिए दीर्घकालिक लाभ लेकर आएगा।

आंतरिक और बाह्य संकटों में उलझा ईरान

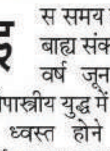

विरोध

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

इस समय ईरान गहन आंतरिक तथा बाह्य संकटों में उलझा हुआ है। गत वर्ष जून में अमेरिका के साथ प्रक्षेपास्त्रीय युद्ध में अपनी सामरिक शक्तियों के ध्वस्त होने के बाद इस देश में अर्थव्यवस्था का भी तीव्र पतन हुआ। ईरान की सबसे बड़ी समस्या आर्थिक बदहाली और राजनीतिक कठोरता का मिश्रण है। दशकों से लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। यहां मुद्रास्फीति उच्च स्तर पर है। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। ईरानी रियाल का मूल्य निरंतर कम हो रहा है। सबसे बड़ी समस्या जो इस देश में है, वो 'इस्लामिक रिपब्लिक' शासन व्यवस्था है। यह शासन लोकोपकारी भूमिका में है ही नहीं। शासकीय कुव्यवस्था ने नागरिकों की स्वतंत्रता छीन ली है।

नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी, कठोर मजहबी प्रतिबंधों एवं सामाजिक कानूनों के प्रति विद्रोही हैं। लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से अति असंतुष्ट हैं। ईरान के नवीन आंदोलनों की सबसे बड़ी लहर 2022 में महसा अमीनी की मौत के बाद शुरू हुई थी, जिसे ठीक से 'हिजाब' न पहनने के कारण नैतिकता प्रबंधन पुलिस ने अभिरक्षा में लिया था। हालांकि, इन दिनों के जनप्रदर्शन केवल हिजाब-प्रकरण तक सीमित नहीं रहे, बल्कि इनके होने के पीछे अनेक कारण हैं। व्यक्तिगत स्वतंत्रता इनमें प्रमुख है।

स्त्रियां एवं युवा 'स्त्री, जीवन, स्वतंत्रता' नारे के साथ व्यक्तिगत अधिकारों की मांग कर रहे हैं। भ्रष्टाचार व शासकीय कुप्रबंधन ने भी जन विद्रोह में वृद्धि की है। जनता पूर्णतः आश्वस्त है कि देश के संसाधन आम लोगों के कल्याण की तुलना में विदेशी संघर्षों तथा सत्ता संरक्षण में निर्धारित हैं। यही कारण है कि प्रदर्शनकारी अब केवल शासन पद्धति में सुधार नहीं, बल्कि धार्मिक नेतृत्व के अंत की कठोर मांग भी कर रहे हैं। अमेरिका तो ईरान के पीछे तब ही से पड़ा हुआ है, जब से उसे ईरान में परमाणु अस्त्रों के प्रथम परीक्षण की भनक लगी थी। जहां ईरान स्वभूमि पर विद्यमान प्राकृतिक तेल भंडारों की सुरक्षा के लिए सामरिक शक्तियों से संचित होने की कामना से भरा रहा है, वहीं अमेरिका की मंशा आरंभ से ही इस कोण पर केंद्रित रही है कि ईरान को स्वतंत्र रूप में परमाणु अस्त्र की शक्ति से संपन्न नहीं होने देना है, क्योंकि ऐसा हो जाने पर अमेरिका उसके तेल संसाधनों का मनमाना दोहन नहीं कर सकेगा। अपने इस दृष्टिकोण को विश्व में स्वीकार्यता देने के उद्देश्य से वह ईरान के इन आंदोलनों को अपने स्तर पर तीव्र कर रहा है। वह इन्हें 'लोकतंत्र के समर्थन' के रूप में प्रचारित कर रहा है। अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहता है। वह अमेरिकी नेतृत्व वाले पश्चिमी हितों के अनुकूल नवशासन स्थापित कर ऐसे शासन के माध्यम से ईरानी परमाणु कार्यक्रमों को पूरी तरह बंद करवाना चाहता है।

अमेरिका की मंशा यह रही कि ईरान को स्वतंत्र रूप में परमाणु अस्त्र की शक्ति से संपन्न नहीं होने देना है, क्योंकि वह उसके तेल संसाधनों का मनमाना दोहन नहीं कर सकेगा।

अमेरिकी कामना ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव को कम करने की भी है। चूंकि ईरान मध्य पूर्व में इजरायल और सऊदी अरब का कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। अमेरिका इस स्थिति का सामरिक, आर्थिक व राजनीतिक लाभार्जन चाहता है। वह आंदोलनों व जनप्रदर्शनों के माध्यम से ईरान के प्रभाव को सीमित करना चाहता है। अमेरिका आंदोलनों की आड़ में अत्यधिक कठोर प्रतिबंध लगाकर ईरानी शासन पर दबाव बनाना चाहता है ताकि वह परमाणु समझौते पर सीधे-सीधे उसकी शर्तों को मान ले। प्रत्यक्ष रूप में भारत भले ही ईरान-प्रकरण पर तटस्थ प्रतीत हो, किंतु अनेक स्तर पर स्वहितों की रक्षा हेतु भारत, आंदोलनकारी स्थितियों को नियंत्रित करने की दिशा में ईरान के साथ कूटनीतिक विमर्श में सम्मिलित है। यदि हमारे व ईरान के संबंधों को देखें तो इनका सबसे बड़ा आधार आर्थिक व व्यापारिक है। वैसे दोनों देशों के संबंध ऐतिहासिक और रणनीतिक रूप में भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण रहे हैं। ऊर्जा सुरक्षा दोनों के संबंधों का एक विशाल सेतु रही है। एक समय में ईरान, भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता था।

हालांकि, अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत का ईरान से तेल आयात कम हो गया है, परंतु तब भी दोनों ओर से ऊर्जा सहयोग की संभावनाएं बनी हुई हैं। ईरान स्थित चाबहार पोर्ट भारत के लिए अर्थनीतिक रूप में सबसे महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके माध्यम से भारत पाकिस्तान के पारगमन मार्ग को अनस्तित्व कर अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधी पहुंच बनाता है। इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर अर्थात व्यापार मार्ग रूस और यूरोप तक पहुंचने के लिए भारत और ईरान के बीच एक प्रमुख कड़ी है।

भारत व पारंपरिक ईरान के बीच सांस्कृतिक सह-संबंध भी था। दोनों देशों में प्राचीन भाषायी एवं सांस्कृतिक समानताएं हैं, जो द्विपक्षीय आधुनिक कूटनीति को शक्तिसंपन्न करती है। इस आधार पर भारत आंदोलन के कारण हिंसक, अस्थिर तथा अस्त-व्यस्त ईरान के हितों की रक्षा हेतु कूटनीतिक पहल कर सकता है।

बहन की शादी का निमंत्रण देने गए युवक की मार्ग दुर्घटना में हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। चांदपुर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर बिलारी गांव निवासी युवक सुनील उर्फ घनश्याम उम्र 25 पुत्र रामलाल सैनी अपनी बहन लक्ष्मी देवी की शादी के कार्ड बांटने के लिए अपने चचेरे भाई अवधेश कुमार के साथ मोटरसाइकिल से हमीरपुर जनपद के भरुवा सुमेरपुर गया था हाईवे में सामने से आ रही से मोटरसाइकिल से सीधी भिड़ंत हो गई। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस के द्वारा गंभीर रूप से घायल युवको स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां पर चिकित्सकों ने सुनील उर्फ घनश्याम को मृत घोषित कर दिया स्थानीय पुलिस के द्वारा आधार कार्ड से पहचान होने पर परिजनों को मिली सूचना परिजन मौके पर पहुंचे मौके पर पहुंचे शिनाख्त होने पर पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के पश्चात मृतक युवक का शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। अपने भाई बहनों में सबसे छोटा मृतक युवक मैं मजदूरी करता था 12 फरवरी को अपनी बहन की शादी की तैयारी के लिए

8 दिन पूर्व ही गांव आया था युवक के दो बड़े भाई गोविंद एवं गोपाल इस समय सूरत में मजदूरी कर रहे है घर में माता राम जानकी पिता रामलाल एवं बहन लक्ष्मी देवी रह रही थी। परिजनों के अनुसार युवक के शव का दाह संस्कार यमुना नदी के मवई घाट में सोमवार को किया जाएगा।

मटेरा में हुआ विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

रिसिया, बहराइच। रविवार को खण्ड रिसिया मटेरा बाजार के श्री संतवा समय माता मन्दिर परिसर में सनातन धर्म हिंदू समाज के तत्वावधान में विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में हजारों की संख्या में हिंदू देखने को मिला। इस विशाल हिंदू सम्मेलन में आए हुए अतिथियों को बैच लगाकर स्मृति चिन्ह अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस विशाल हिंदू सम्मेलन के मुख्य अतिथि ज्ञानी नाथ योगी महाराज व मुख्य वक्ता सर्वेश जी मौजूद रहे। अपने संबोधन में हिंदुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी सनातनियों को मस्जिद मदरसा व मिशनरियों से सावधान रहना है ह्ल कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलन द्वारा किया। वहां पर उपस्थित हिंदुओं का जन सैलाब एक स्वर में भारत माता की जय वंदे मातरम जय श्री राम जय जय श्री राम उद्घोष से पंडाल एवं संतवा समय माता मंदिर

परिसर गूंज उठा। इसी क्रम में लोकप्रिय जनप्रिय यशस्वी, सर्वेश जी ने हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा सनातन संस्कृति और सामाजिक समरसता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदू समाज को संगठित करने के लिए पहले स्वयं में परिवर्तन लाना होगा। उन्होंने कहा कि आज हिन्दू समाज में लोग एक साथ बैठकर खान-पान तक नहीं करते, जब तक हम स्वयं नहीं बदलेंगे, तब तक समाज को संगठित करना संभव नहीं है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में भारत में हिंदू समाज की सुरक्षा को लेकर चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं, जिनका मूल कारण सामाजिक भेदभाव और आपसी बिखराव है। उन्होंने कहा कि आज सनातन धर्म के लोगों को जागरूक रहने की जरूरत है जहां मस्जिद मदरसा बन रहा हो मिशनरियों के लोग दिखाई दे रहे हो सावधान रहने की जरूरत है। वरना सम्मेलन को संबोधित करते मुख्य वक्ता प्रांत धर्म जागरण प्रमुख अवध प्रांत सुरेन्द्र ने सनातनियों को संगठित होने पर जोर दिया उन्होंने कहा कि आज समय आ गया है सनातन धर्म के लोगों को एकजुट होने का। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर आरएसएस जिला प्रचारक अजय, हिंदू सम्मेलन समिति संयोजक अवदेश गुप्ता, सह संयोजक आशीष शर्मा, राजा त्रिपाठी, संदीप साहू, अजय तिवारी, लव शुक्ला जी मंडल अध्यक्ष कुश शुक्ला समाजसेवी शिवेंद्र ठाकुर, मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा विक्की यादव, अम्बरीश मित्तल, शिवा तिवारी रिसिया अध्यक्ष रामु लाल, जोबन सिंह विरक, अमन वर्मा शिवम जयसवाल लीला धर पांडे, इस अवसर सम्मानित नागरिक गणमान्य लोग हजारों की संख्या में उपस्थित रहे।

रुपईडीहा व्यापार प्रतिनिधिमंडल का चुनाव संपन्न

96% मतदान हुआ, व्यापारियों में दिखा उत्साह

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। रुपईडीहा व्यापार मंडल का चुनाव रविवार को भारी उत्साह के बीच संपन्न हुआ। जिसमें प्रातः 9:00 बजे से 3:00 बजे तक मतदान हुआ 96% मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस बीच भारी पुलिस बल तैनात रहा। कुछ दुकान बंद रही, शाम होते-होते सभी प्रत्याशियों की धड़कनें तेज हो गई। खबर लेकर जाना तक मतगणना हो रही थी। रविवार सुबह मतदान शुरू होने से पूर्व रुपईडीहा अध्यक्ष डॉक्टर उमाशंकर वैश्य ने मतदान केंद्र पहुंचकर फीता काटकर उद्घाटन किया, साथ ही सुबह से ही मतदान केंद्र पर मतदाताओं की भीड़ लगी रही। चुनाव समिति के लोग समय-समय पर लोगों का मार्गदर्शन करते रहे और मतदाताओं हेतु जलपान की व्यवस्था भी थी की गई थी।

एसएसबी द्वारा बलई गांव में आयोजित 30 दिवसीय बेसिक कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

डीएम व एसपी ने उत्तीर्ण प्रतिभागियों को वितरित किया प्रमाण पत्र

अमन लेखनी समाचार/ मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। भारत नेपाल सीमा क्षेत्र के बसे गांव के युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए सशस्त्र सीमा बल के द्वारा प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के माध्यम से मुख्य धारा में लाने का कार्य किया जा रहा है जिसके तहत युवाओं को कंप्यूटर आधारित प्रशिक्षण दिया गया।59 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट कैलाश चंद रमोला के मार्ग निर्देशन में 59 वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत वाइब्रेंट गांव बलाई गांव में आयोजित 30 दिवसीय बेसिक कंप्यूटर कोर्स का शनिवार को देर शाम सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीमावर्ती क्षेत्र के 40 युवाओं ने सहभागिता कर कंप्यूटर की मूलभूत शिक्षा प्राप्त की। वाइब्रेंट गांव बलाईगांव में शनिवार को देर शाम आयोजित समापन समारोह का मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी द्वारा पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तथा ज्वाईन्ट मजिस्ट्रेट एसडीएम महसी आलोक प्रसाद आईएएस के साथ दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया तदोपरान्त बेसिक कंप्यूटर कोर्स को सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा उत्तीर्ण प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप कंप्यूटर भी प्रदान किए गए। समापन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिलाधिकारी श्री त्रिपाठी ने 59 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रम सीमावर्ती युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समापन अवसर पर कार्यवाहक कमांडेंट पंकज कुमार ठाकुर, द्वितीय कमान द्वारा भी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी गईं तथा कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों एवं स्थानीय नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर काफी संख्या में स्थानीय ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

प्रशासन की सूझबूझ से टला बड़ा खतरा, बाघ सुरक्षित ट्रैंकुलाइज

नवागत डीएफओ सुंदरेशा की रणनीति की हो रही सराहना

अमन लेखनी समाचार/ मिथिलेश जायसवाल

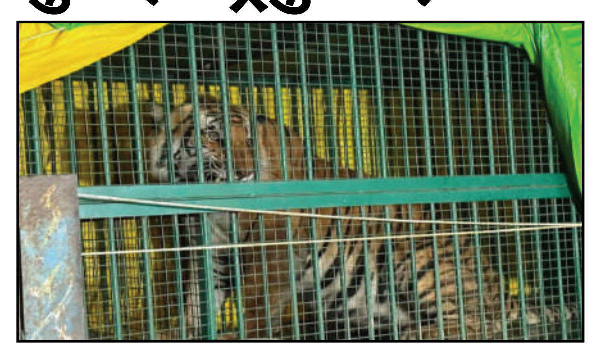

बहराइच। वन प्रभाग के अंतर्गत तहसील महसी क्षेत्र में बाघ की दहशत के बीच वन विभाग की सतर्कता और प्रशासनिक सूझबूझ से एक बड़ा खतरा टल गया। बीते दिनों क्षेत्र में एक सांड पर हुए हमले के बाद जब उसका आधा सिर खाया हुआ मिला, तो ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया था। शुरूआती तौर पर इसे तेंदुए का हमला माना जा रहा था, लेकिन वन विभाग ने किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले वैज्ञानिक तरीके से जांच शुरू की। वन विभाग ने तत्काल ड्रोन कैमरों और आधुनिक निगरानी उपकरणों की मदद से इलाके की सघन निगरानी शुरू कराई। इसी दौरान ड्रोन फुटेज में एक बड़ा बाघ खेतों के आसपास विचरण करता दिखाई दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खेतों के चारों ओर जाल लगवाया और दुधवा नेशनल पार्क व कतर्नियाघाट से विशेषज्ञ ट्रैंकुलाइज टीम को बुलाया गया। साथ ही, कांबिंग ऑपरेशन के लिए दो राजकीय हथिनियों को भी लगाया गया लगातार निगरानी और सुनियोजित रणनीति के तहत शनिवार को बसौना माफी गांव के पास नाले के किनारे बाघ को सफलतापूर्वक ट्रैंकुलाइज कर लिया गया। इस पूरी कार्रवाई में न तो किसी ग्रामीण को नुकसान पहुंचा और न ही बाघ को कोई क्षति हुई। बाघ के पकड़े जाने के बाद क्षेत्र के लोगों और वन विभाग के कर्मियों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि नवागत डीएफओ सुंदरेशा के नेतृत्व में जिस तरह से मानव सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण के बीच संतुलन बनाते हुए कार्रवाई की गई, वह काबिले-तारीफ है। लोगों का कहना है कि बिना किसी अफरा-तफरी के बाघ को सुरक्षित पकड़ना वन विभाग की ऐतिहासिक सफलता है। डीएफओ सुंदरेशा ने बताया कि पकड़ा गया बाघ नर है, जिसकी उम्र करीब पांच वर्ष है और वह पूरी तरह स्वस्थ है। उन्होंने कहा कि उच्चाधिकारियों के निदेशानुसार आगे की कार्रवाई करते हुए बाघ को सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाएगा।

खिचड़ी भोज के साथ सौ महिलाओं को भेंट किया गर्म शाल

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए आयोजित हुआ कार्यक्रम

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। विकास खंड मिहींपुरवा के ग्राम पंचायत कतरनिया पुरवा में सामाजिक समरसता तथा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए खिचड़ी भोज का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें भारी संख्या में महिलाएं शामिल हुई।खिचड़ी भोज के समापन पर ग्राम पंचायत की 101 महिलाओं को गर्म शाल भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम प्रधान राममिलन विश्वकर्मा के द्वारा आयोजित किया गया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रंजन विश्वकर्मा ने बताया कि सामाजिक समरसता के प्रतीक खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया जिसमें काफी संख्या में महिलाएं शामिल हुई।महिलाओं को ठंड से बचाव हेतु गर्म शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि इसी खिचड़ी भोज के माध्यम से आम जान की समस्याओं को भी सुना गया तथा उनके निस्तारण पर चर्चा की गई। इस मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मतदान केंद्र पर रुपईडीहा चेयरमैन ने किया भ्रमण

दिया आवश्यक दिशा निर्देश

अमन लेखनी समाचार/ मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच नगर पंचायत रुपईडीहा मे सभी केंद्रों का बूथ लेवल अधिकारियो द्वारा मतदाता सूची व नए मतदाता बनवाने की प्रक्रिया मे नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ उमा शंकर वैश्य के साथ रतन अग्रवाल दिनेश कुमार आदि ने मतदान केंद्र जाकर वोटर लिस्ट और नए मतदाता का फॉर्म देखा और आवश्कता दिशानिर्देश दिया। इस अवसर पर बी एल ओ मोइनुद्दीन, इसराईल वा नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चेयरमेन व ब्लॉक प्रमुख को आदर्श समाज सेवा समित द्वारा भेंट किया गया डायरी व नव वर्ष का कैलेंडर

समिति पदाधिकारियों द्वारा दी गई नववर्ष की दी बधाई

अमन लेखनी समाचार/ मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। रुपईडीहा नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ उमाशंकर वैश्य व ब्लॉक प्रमुख जय प्रकाश सिंह को आदर्श समाज सेवा समिति के द्वारा नव वर्ष के उपलक्ष में समिति का कैलेंडर व डायरी भेंट कर नववर्ष की शुभकामनायें दी गई।समिति के अध्यक्ष प्रतिनिधि व वरिष्ठ पत्रकार संतोष मिश्रा के नेतृत्व मे दोनों माननीयों को समिति का नव वर्ष का कैलेंडर व डायरी भेंट करके समिति द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि व वरिष्ठ पत्रकार संतोष मिश्रा, प्रांतीय महामंत्री जगराम वर्मा, सचिव शेर सिंह कसौधन, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद कौसर, जिला सलाहकार शाहिद हुसैन सहित कई समिति के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पत्रकार सम्मान समारोह में विषमुक्त खेती और जल जांच पर दिया गया जोर

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। ब्लॉक प्रमुख नवाबगंज जे.पी. सिंह द्वारा रविवार को एक गरिमामय पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ व युवा पत्रकारों को सम्मानित किया गया, वहीं सामाजिक सरोकारों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा भी हुई। समारोह के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित संजीव श्रीवास्तव ने विषमुक्त खेती के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से न केवल भूमि की उर्वरता नष्ट हो रही है, बल्कि मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे जैविक व विषमुक्त खेती को अपनाएं, जिससे स्वस्थ समाज और सुरक्षित भविष्य का निर्माण हो सके। वहीं प्रमुख प्रतिनिधि शिव पूजन सिंह ने क्षेत्र में तेजी से फैल रहे कैंसर जैसे घातक रोगों पर चिंता व्यक्त करते हुए शुद्ध पेयजल की अनिवार्यता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दूषित पानी कई गंभीर बीमारियों की जड़ है, इसलिए समय-समय पर पानी की जांच कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से भी जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी की मांग की। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख जे.पी. सिंह ने पत्रकारों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र में पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर समाज को जागरूक करते हैं। समारोह का समापन आपसी संवाद और जनकल्याण के संकल्प के साथ हुआ और कार्यक्रम प्रभारी दुर्गेश वर्मा ने सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

बिजली विभाग के भ्रष्टाचार से आहत हुआ गरीब मजदूर

अधिकारी कर्मचारी के ऊपर घूसखोरी का आरोप लगाते हुए नजदीकी थाने में दी तहरीर

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के बिंदकी तहसील अंतर्गत अमौली विकासखंड के विद्युत उपकेंद्र चांदपुर का भ्रष्टाचार चरम सीमा पर पहुंच चुका है काफी दिनों से आ रही शिकायतों का निस्तारण नहीं हुआ वही एक नया फिर से मामला सामने आ गया विद्युत उपकेंद्र अंतर्गत गांव गौरी औंरा निवासी गरीब मजदूर महबूब पुत्र युसूफ ने नजदीकी थाना चांदपुर में लिखित तहरीर देते हुए न्याय की गुहार लगाई पीड़ित ने बताया कि कई महीने पहले बिजली विभाग की छापेमारी गांव में हुई जहां अनेकों लोगों के साथ गरीब मजदूर को भी विभाग द्वारा शिकार बनाया गया बिजली बिल जमा ना होने के कारण सभी को विद्युत उपकेंद्र बुलाया गया तथा आर्थिक धनराशि लेकर मामला समाप्त कर दिया गया वहीं पीड़ित को जानकारी देते हुए विभाग के अवर अभियंता तथा संविदा कर्मचारी चंद्रशेखर निषाद ने बताया कि पीड़ित का बिल 56076 है जिसमें छूट करते हुए 34000 जमा करने पर मीटर शून्य कर दिया जाएगा

जेवर बेचकर अदा की बिजली की धनराशि

पीड़ित ने आनन-फानन अपने घर में रखें जेवरात बेचकर लाइनमैन चंद्रशेखर निषाद को नगद रूप में 34000 रुपए दिए वही समय बीतते अचानक पीड़ित के पास विभाग द्वारा किए गए जुमार्ने की 2000 की रसीद पहुंचाई गई तथा बताया गया कि पीड़ित के ऊपर मुकदमा दर्ज हो चुका है जिससे पीड़ित घबरा गया तथा लाइनमैन चंद्रशेखर से जानकारी ली जहां लाइनमैन ने बताया कि आपका बिल जमा नहीं हुआ इस कारण आपके ऊपर मुकदमा दर्ज हो गया है जबकि पूर्व काल में लाइनमैन अवर अभियंता तथा एसडीओ ने 34000 लेकर मीटर शून्य करने का आश्वासन दिया था वही पीड़ित ने बताया कि पीड़ित का 1 किलो वाट का कनेक्शन है जहां 2 महीने के अंदर 56000 की जगह लगभग 76000 रुपए बिल हो गया हैरत अंगेज बात यह है की 2 महीने में एक्सप्रेस ट्रेन की तरह विभाग का मीटर बढ़ता रहा तथा लगभग 20000 रुपए बिल बढ़ गया विभाग के इस भ्रष्टाचार का शिकार क्षेत्र के सैकड़ो लोग और भी हुए हैं वहीं पीड़ित ने बताया कि यदि उसे न्याय नहीं मिला तो वह निश्चित रूप से न्यायालय का सहारा लेगा देखना यह है कि विभाग पीड़ित को क्या न्याय देता है।

सपा नेता कुश वर्मा ने खजुहा में आयोजित किया खिचड़ी भोज

हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया मकर संक्रांति का महाप्रसाद

अमन लेखनी समाचार

मनीष पाण्डेय

फतेहपुरे जनपद के देवमई विकासखंड के पूर्व ब्लाक प्रमुख समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता कुश वर्मा द्वारा जहानाबाद विधानसभा के सभी विकास खण्डों में विशाल खिचड़ी भोज का आयोजन चिन्हित किया गया जहां कल खजुहा विकासखंड कस्बे में विशाल खिचड़ी भोज तथा चाय वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम अंतर्गत मौजूद आयोजक पूर्व ब्लाक प्रमुख कुश वर्मा समेत समाजवादी पार्टी के क्षेत्रीय कार्यकताओं ने राहगीरों को गर्म चाय तथा स्वादिष्ट खिचड़ी अपने हाथों से परोसा जहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु क्षेत्रीय लोगों ने कार्यक्रम में शिरकत प्रदान करते हुए खिचड़ी तथा चाय का आनंद प्राप्त किया इस मौके पर सपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र यादव मिथिलेश सचान कैलाश द्विवेदी अंजनी राणा अनवर केपी यादव शुघर सिंह अमित उत्तम गोरेलाल प्रजापति इजारुद्दीन सानू महेंद्र पाल जयकरन यादव गणेश वर्मा निजामी पेंटर समेत पार्टी के दर्जनों पदाधिकारी कार्यकर्ता तथा भारी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहें शुघर यादव एवं शिव सिंह यादव के नेतृत्व में पूर्व ब्लाक प्रमुख द्वारा हुए आयोजित कार्यक्रम में आए हुए सभी श्रद्धालुओं का कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक पूर्व ब्लाक प्रमुख कुश वर्मा ने सादर आभार व्यक्त किया

कतर्नियाघाट में लकड़ी काटते हुए नेपाली लकड़कट्टा गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच ।कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग में अवैध शिकार और वन कटान के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मुर्तिहा रेंज के कोर क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट क्षेत्र से एक नेपाली लकड़ कट्टे को अवैध लकड़ी के साथ गिरफ्तार किया है। 17 जनवरी की शाम करीब 6:30 बजे बीट संख्या-18, बाघ संरक्षित वन क्षेत्र में गश्त के दौरान संदिग्ध को भागते हुए पकड़ा गया। तलाशी में उसके पास से अवैध कटान में प्रयुक्त साइकिल कटान के औजार आया और शीशम प्रजाति की चार गोल लकड़ियां (जड़ सहित) बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मिलन पुत्र सियाराम निवासी ग्राम आशापुर, थाना गुलरिया, जिला बर्दिया (नेपाल) बताया। वन विभाग ने आरोपी के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम 1927 और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।18 जनवरी को आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में क्षेत्रीय वन अधिकारी रत्नेश कुमार, वन दरोगा पवन कुमार शुक्ला, वन रक्षक स्मृति उपाध्याय तथा न्यूनतम वेतन कर्मी सिराज शामिल रहे। डीएफओ सूरज कुमार ने बताया कि संरक्षित क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर सख्ती जारी रहेगी।

युवती हुई लापता पिता ने दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कस्बे के एक मोहल्ले की युवती को पड़ोसी मोहल्ले का युवक बहला फुसलाकर अपने साथ लेकर कही चल गया।युवती के पिता ने किसी अनहोनी की आशंका व्यक्त करते हुए युवक के विरुद्ध केस दर्ज कराया है। कस्बे के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 20 वर्षीय पुत्री को शनिवार की करीब 3 बजे पड़ोस के मोहल्ले का मयंक यादव पुत्र सुनीता यादव बहला फुसलाकर स्कारपियो गाडी से कही लेकर चला गया है।बताया कि मयंक अपराधिक प्रवृत्ति का है जिससे मेरी पुत्री के साथ किसी भी प्रकार की अनहोनी होने की प्रबल आशंका बनी हुई है।थाना प्रभारी एसएन त्रिपाठी ने बताया तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर युवक युवती की तलाश की जा रही है।

जीवन में अपनाएं ये मंत्र, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

अगर आप भी हमेशा अमीर बने रहना चाहते हैं तो पर्सनल फाइनेंस के कुछ मंत्र याद रखें और उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। इससे आपको कभी भी पैसे की कमी नहीं होगी। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ मंत्र बताने वाले हैं जो आपके काफी काम के होंगे। इन्हें अपनाकर आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकते हैं और बचत भी कर सकते हैं। आजकल लोगों के लिए पैसा कमाने से भी ज्यादा मुश्किल उसे संभालना हो गया है। ज्यादातर लोगों की सैलरी आते ही खर्च हो जाती है और महीने के आखिरी में उनकी जेब खाली हो जाती है। इसी के साथ-साथ न ही वह कोई बचत कर पाते हैं, क्योंकि महीने के आखिरी तक कुछ बचता ही नहीं। ऐसे में पर्सनल फाइनेंस के पांच नियमों को अपना लें। इससे आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकेंगे और बचत भी कर पाएंगे।

50–30–20 नियम अपनाएं

50–30–20 नियम में 50 का मतलब है कि आपको अपनी सैलरी का 50 प्रतिशत हिस्सा केवल जरूरी खर्चों में खर्च करना है। इसमें घर का किराया, राशन, बिल और अन्य जरूरी खर्चों को शामिल करें। सैलरी का 30% हिस्सा अपने लिए रखें और अपनी जरूरत और अपने इच्छाओं के अनुसार खर्च करें। सैलरी का 20 प्रतिशत हिस्से की बचत करें और निवेश करें।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अपने लिए एक इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं, जो मुश्किल समय में काम आ सकें। इमरजेंसी फंड 3 से 6 माह के जरूरी खर्च के बराबर जरूर होना चाहिए, यह फंड नौकरी जाने, मेडिकल इमरजेंसी और अचानक आय रुकने की स्थिति में काम आता है। इमरजेंसी फंड आपको वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

ईएमआई इनकम के 40% तक रखें

ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) इनकम के 40 प्रतिशत तक रखना एक अच्छा नियम है। इससे आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने और अपने जीवन को तनाव मुक्त रखने में मदद मिलती है। ईएमआई के 40% तक रखने से आपको वित्तीय सुरक्षा मिलती है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। आपको तनाव से मुक्ति मिलती है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। आपको बचत करने में मदद मिलती है, जिससे अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इंश्योरेंस जरूर लें

केवल निवेश ही नहीं बल्कि इंश्योरेंस को भी प्राथमिकता दें। ऐसे में खुद को और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हेल्थ और टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें। इसके कुछ फायदें हैं जैसे। इंश्योरेंस आपको और आपके परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इंश्योरेंस आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इंश्योरेंस आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इक्विटी में निवेश करें

अगर आप लंबे समय के लिए निवेश करना चाहते हैं तो थोड़ा पैसा इक्विटी जैसे म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें। इक्विटी में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है। इक्विटी में निवेश करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश के समय को ध्यान में रखना चाहिए।

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान इनमें निवेश करना फायदेमंद

- इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमाने का मौका
- निवेश करने से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों में निवेश कर बाजार की अस्थिरता का असर कम करते हैं, जिससे लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इसलिए आप भी इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि निवेश से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय कर लें। इसके बाद ही निवेया का फैसला लें, वरना कई बार परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले साल में बाजार सतर्क रह सकता है, ऐसे में हाइब्रिड फंड निवेशकों को स्थिर रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं।

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड क्या हैं

एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड ऐसे फंड होते हैं, जो इक्विटी (शेयर बाजार) और डेट (बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूतियां, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट) दोनों में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि इनमें 65% से 80% तक का निवेश इक्विटी में किया जाता है, जबकि शेष 20% से 35% तक डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है। इक्विटी में ज्यादा निवेश होने की वजह से इन्हें इक्विटी फंड की तरह टैक्स बेनिफिट मिलता है, वहीं डेट का हिस्सा बाजार की अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसका फायदा यह है कि जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो डेट निवेश से नुकसान कम होता है। ऐसे फंड कंसर्वेटिव इक्विटी निवेशकों के लिए खास होते हैं, जो जोखिम लेने को तैयार हैं, लेकिन अत्यधिक उतार-चढ़ाव नहीं सह सकते। इससे लंबी अवधि में निवेशकों को धैर्यपूर्वक धन बढ़ाने का मौका मिलता है।

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए बेहतर ऑप्शन

लाभ और टैक्स की सुविधा

इन फंडों का एक बड़ा फायदा है नियमित प्रॉफिट बुकिंग। जब बाजार में इक्विटी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर स्टॉक्स बेचकर असाइनमेंट बनाए रखते हैं। यह लंबी अवधि में रिटर्न बढ़ाने में मदद करता है। व्यक्तिगत निवेशक अगर ऐसा करते हैं, तो 1 लाख रुपये से ज्यादा के लाभ पर टैक्स देना पड़ता है, जबकि म्यूचुअल फंड के निवेशकों को इस पर टैक्स की सुविधा मिलती है। हालांकि, नियमित डिविडेंड की उम्मीद से इन फंडों में निवेश करना उचित नहीं है।

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड कौन से हैं

पिछले कुछ वर्षों के प्रदर्शन, फंड मैनेजमेंट और रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न के आधार पर भारत में कई एग्रीसिव हाइब्रिड फंड निवेशकों के बीच पसंद किए जा रहे हैं। ये फंड निवेशकों को अच्छा मुना देने की क्षमता रखते हैं। इनमें निवेश करना भी ठीक रहता है। इनमें प्रमुख हैं।

- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड
- एसबीआई इक्विटी हाइब्रिड फंड
- कोटक इक्विटी हाइब्रिड फंड
- एचडीएफसी हाइब्रिड इक्विटी फंड
- यूटीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- क्वांट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- कनारा रोबेको इक्विटी हाइब्रिड फंड
- मिराए एसेट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

इनमें निवेश करना फायदेमंद

अगर निवेशक शुद्ध इक्विटी फंड के उच्च जोखिम से बचना चाहते हैं, लेकिन फिक्स्ड डिपॉजिट या डेट फंड जैसे कम रिटर्न से संतुष्ट नहीं हैं, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड संतुलित विकल्प हैं।

इन फंड्स का उद्देश्य

- इक्विटी से ग्रोथ का लाभ मिले
- डेट से स्थिरता और सुरक्षा बनी रहे
- लंबी अवधि (5 से 7 साल या उससे अधिक) में इन फंड्स ने औसतन 10–14% तक का वार्षिक रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है, हालांकि रिटर्न बाजार स्थितियों पर निर्भर करता है।
- जब बाजार में ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, तब पूरी रकम इक्विटी में निवेश करना कई निवेशकों को असहज कर सकता है। ऐसे समय में एग्रीसिव हाइब्रिड फंड का डेट हिस्सा वोलैटिलिटी को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है।

यह भी रखें ध्यान

- ये फंड पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते
- बाजार में तेज गिरावट आने पर इनमें भी अस्थायी नुकसान हो सकता है
- शुद्ध इक्विटी फंड की तुलना में इनकी गिरावट अक्सर थोड़ी कम देखी जाती है। इसलिए जिन निवेशकों को बाजार की चाल समझने में दिक्कत होती है या जो भावनात्मक फैसले लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए ये फंड उपयोगी हो सकते हैं।

ऐसे में निवेशकों को क्या करना चाहिए?

- वर्तमान बाजार परिस्थितियों में निवेशकों को घबराकर फैसले लेने से बचना चाहिए। एक्सपर्ट्स की मानें तो
- निवेश का लक्ष्य और समयावधि स्पष्ट रखें
- एसआईपी के जरिए निवेश करें, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत लाभ मिल सके
- एकमुश्त निवेश करने से पहले बाजार वैल्यूएशन पर ध्यान दें
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- अगर कोई निवेशक पहली बार म्यूचुअल फंड में कदम रख रहा है या मध्यम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहता है, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड एक अच्छी शुरुआत हो सकते हैं।

क्यों एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड की सबसे बड़ी ताकत उनका बैलेंस्ड अप्रोच है। ये फंड फंड मैनेजर को यह लचीलापन देते हैं कि वे बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट का अनुपात थोड़ा बहुत बदल सकें।

लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न की उम्मीद

इतिहास गवाह है कि लंबी अवधि में बाजार ने हमेशा धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया है। एग्रीसिव हाइब्रिड फंड इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। ये न तो बहुत ज्यादा आक्रामक होते हैं और न ही बहुत ज्यादा रक्षात्मक। सही फंड का चयन, नियमित निवेश और लंबी अवधि तक बने रहना। ये तीन बातें मिलकर एग्रीसिव हाइब्रिड फंड को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बनाती हैं।

छोटे-छोटे निवेश से भी किए जा सकते हैं बड़े सपने पूरे

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी वित्तीय योजना मजबूत और सुरक्षित हो, लेकिन सवाल यह है कि लंबी अवधि के लक्ष्यों जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए सही निवेश कैसे चुना जाए? इसी का जवाब है। एसआईपी-एसडब्ल्यूपी, जो म्यूचुअल फंड निवेश को आसान और अनुशासित बनाते हैं।

एसआईपी : छोटी बचत से बड़ा निवेश

एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू कर सकते हैं। हर महीने तय राशि निवेश करने से धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार हो जाता है। यह तरीका निवेशक को अनुशासन सिखाता है और बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाता है। एसआईपी में चक्रवृद्धि का फायदा मिलता है, यानी समय के साथ आपका पैसा ब्याज पर ब्याज कमाता है और तेजी से बढ़ता है।

एसडब्ल्यूपीः नियमित आय का साधन

दूसरी ओर, एसडब्ल्यूपी उन निवेशकों के लिए है जो अपने निवेश से नियमित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक अपने म्यूचुअल फंड से हर महीने या तिमाही तय राशि निकाल सकते हैं। यह तरीका खासकर रिटायर लोगों के लिए उपयोगी है, क्योंकि उन्हें पेंशन जैसी स्थिर आय मिलती रहती है। एसडब्ल्यूपी से निवेशक का मूल निवेश सुरक्षित रहता है और जरूरत के मुताबिक पैसा मिलता रहता है।

विशेषज्ञों की राय

फाइनेंशियल एडवाइजर्स का मानना है कि एसआईपी और एसडब्ल्यूपी दोनों मिलकर निवेशक को संतुलित वित्तीय योजना बनाने में मदद करते हैं। एसआईपी से लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए फंड तैयार होता है, जबकि एसडब्ल्यूपी से जरूरत पड़ने पर नियमित आय मिलती है। यह संयोजन निवेशक को बाजार की अस्थिरता से बचाता है और अनुशासन बनाए रखता है।

किसके लिए बेहतर?

- **युवा निवेशक:** जो लंबी अवधि के लिए बचत करना चाहते हैं, उनके लिए एसआईपी सबसे अच्छा विकल्प है।
- **रिटायर लोग:** जिन्हें हर महीने खर्च के लिए आय चाहिए, उनके लिए एसडब्ल्यूपी आदर्श है।
- **मध्यम आय वर्ग:** एसआईपी से धीरे-धीरे फंड तैयार कर सकते हैं और बाद में एसडब्ल्यूपी से उसका लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी और SWP सिर्फ निवेश के तरीके नहीं हैं, बल्कि वित्तीय अनुशासन और सुरक्षा का आधार हैं। एसआईपी से आप भविष्य के बड़े लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं, जबकि एसडब्ल्यूपी से वर्तमान की जरूरतें पूरी होती हैं। सही योजना और समय पर निवेश से ये दोनों तरीके मिलकर आपकी वित्तीय जिंदगी को स्थिर और सुरक्षित बना सकते हैं।

लोन भी गुड और बैड कुछ होते हैं दौलत के दोस्त और कई जेब के 'दुश्मन'

आसानी से मिल जाने वाले लोन का पैसा राहत के साथ दे सकता है बड़ी परेशानी

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में लोन लेना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। बैंक हों या मोबाइल एप, कुछ ही समय में आसानी से लोन मिल जाता है। अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे लोन ले लेते हैं, लेकिन यहीं से कई बार फाइनेंशियल परेशानी शुरू हो जाती है, क्योंकि हर लोन आपके फायदे के लिए नहीं होता। असल में लोन दो तरह के होते हैं गुड लोन और बैड लोन और दोनों में फर्क समझना आम लोगों के लिए बेहद जरूरी है। डिजिटल दौर में इंस्टेंट लोन ऐप्स ने लोगों को जल्दी पैसा तो दिया, लेकिन साथ में हाई इंटरेस्ट, छिपे चार्ज और मानसिक तनाव भी दिया है। कई लोग छोटी जरूरतों के लिए ऐसे ऐप्स से लोन लेते हैं और बाद में ईएमआई के बोझ में फंस जाते हैं। यही वजह है कि लोन लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस तरह का कर्ज ले रहे हैं।

सोच समझकर ही कदम उठाना होगा फायदेमंद, वरना आप रहेंगे घाटे में
अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे ले लेते हैं लोन

क्या होता है गुड लोन

गुड लोन वह होता है जो आपकी जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करें। ऐसा लोन जो भविष्य में आपकी आमदनी बढ़ाए, संपत्ति बनाए या करियर को मजबूत करे, उसे अच्छा कर्ज माना जाता है। इसमें ब्याज दर आमतौर पर कम होती है और समय के साथ इसका फायदा नजर आता है। मान लीजिए आपने पढ़ाई के लिए एजुकेशन लोन लिया और आगे चलकर उसी पढ़ाई से आपकी कमाई बढ़ती है। इसी तरह बिजनेस लोन से व्यापार बढ़ता है या होम लोन से आपकी खुद की संपत्ति बनती है। ऐसे लोन लंबे समय में आपकी नेटवर्थ बढ़ाने का काम करते हैं, इसलिए इन्हें गुड लोन कहा जाता है।

गुड लोन की खास पहचान

गुड लोन में रिटर्न की संभावना ब्याज से ज्यादा होती है। ईएमआई आपकी कमाई के हिसाब से मैनेज हो जाती है और लोन का इस्तेमाल किसी प्रोडक्टिव काम में होता है। यह आपकी फाइनेंशियल ग्रोथ का हिस्सा बनता है, बोझ नहीं।

बैड लोन क्या होता है

बैड लोन वह होता है जो सिर्फ खर्च बढ़ाता है, आमदनी नहीं। इस तरह के लोन में ब्याज दर काफी ज्यादा होती है और कई बार अतिरिक्त चार्ज भी जुड़ जाते हैं। अगर समय पर भुगतान न हो, तो क्रेडिट स्कोर बिगड़ जाता है और आगे लोन मिलना मुश्किल हो जाता है। पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड बकाया, इंस्टेंट लोन ऐप्स से लिया गया कर्ज या गैर-जरूरी चीजों के लिए लिया गया लोन अक्सर इसी कैटेगरी में आता है। इनसे न तो कोई एसेट बनता है और न ही भविष्य में कोई फायदेमंद रिटर्न मिलत है।

बैड लोन क्यों बन जाता है परेशानी

बैड लोन की ईएमआई जेब पर भारी पड़ती है। कई लोग एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन लेते हैं और धीरे-धीरे कर्ज के जाल मे फस जाते है। तनाव बढ़ता है, सेविंग खत्म हो जाती है और आर्थिक आजादी खतरे में पड़ जाती है।

दोनों में क्या है अंतर

आधार	: लोन लेने का मकसद
गुड लोन	: भविष्य को मजबूत बनाना
बैड लोन	: सिर्फ मौजूदा खर्च पूरा करना
आधार	: पैसे का असर
गुड लोन	: दौलत और कमाई बढ़ाता है
बैड लोन	: जेब पर बोझ बढ़ाता है
आधार	: ब्याज दर
गुड लोन	: अपेक्षाकृत कम
बैड लोन	: काफी ज्यादा
आधार	: लंबे समय का फायदा
गुड लोन	: फायदा देता है नहीं
बैड लोन	: नुकसान बढ़ाता है
आधार	: कमाई
गुड लोन	: बढ़ाने में मदद करता है
बैड लोन	: नहीं करता
आधार	: जोखिम का स्तर
गुड लोन	: कम जोखिम
बैड लोन	: ज्यादा जोखिम
आधार	: उदाहरण
गुड लोन	: होम लोन, एजुकेशन लोन, बिजनेस लोन
बैड लोन	: पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड लोन, इंस्टेंट ऐप लोन
आधार	: मानसिक असर
गुड लोन	: सुरक्षा और स्थिरता
बैड लोन	: तनाव और दबाव
आधार	: भविष्य की प्लानिंग
गुड लोन	: आसान बनती है
बैड लोन	: मुश्किलें बढ़ाती है

कितना लोन लेना है सही

लोन लेते समय अपनी आय और खर्च का सही हिसाब लगाना जरूरी है। इसके लिए डेट-टू-इनकम रेश्यो देखा जाता है। यानी आपकी कुल मासिक ईएमआई, आपकी मासिक कमाई के 40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर यह 30 फीसदी से नीचे है, तो और भी बेहतर माना जाता है।

लोन से पहले बचत को दें प्राथमिकता

हर छोटी जरूरत के लिए लोन लेना समझदारी नहीं है। बेहतर है कि पहले बचत की आदत डालें। छोटी प्लानिंग, एसआईपी या इमरजेंसी फंड बनाकर कई खर्च बिना कर्ज के पूरे किए जा सकते हैं। लोन तभी लें, जब वह सच में आपकी जिंदगी को आगे बढ़ाने वाला हो।

समझदारी ही असली सुरक्षा

लोन अपने आप में न अच्छा है, न बुरा। फर्क इस बात से पड़ता है कि आप उसे किस मकसद से ले रहे हैं। सही जानकारी और सोच-समझकर लिया गया कर्ज आपकी तरक्की का रास्ता खोल सकता है, जबकि जल्दबाजी में लिया गया लोन आपकी जेब का सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है।

प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन पर ध्यान दें

लोन लेने जा रहे हैं तो रहें अलर्ट, हिडन चार्ज कर सकते हैं जेब खाली

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेकर अपना आशियाना खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो सावधान रहें, वरना कुछ हिडन चार्ज आपकी जेब ढीली का सकते हैं। इसलिए कुछ बातों को जानना जरूरी है। दरअसल, लोन लेने के दौरान बैंक कई तरह के चार्ज लगाती हैं। लोन लेने के बाद काफी लोग कम ब्याज दर के कारण लोन ट्रांसफर भी कराते हैं। ऐसे में उन्हें कई तरह के चार्ज चुकाने पड़ते हैं। इससे लोन चुकाने में ज्यादा रकम खर्च होती है। इनमें से कुछ चार्ज को कम कर पैसा बचाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लोन लेने के दौरान प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन आपके लोन की कुल लागत को काफी बढ़ा सकते हैं। प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर के क्लॉज पर खास ध्यान देना चाहिए, खासकर जब उन पर कोई शुल्क लगता हो। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ जो आपको परेशान कर सकते हैं।

प्रोसेसिंग चार्ज

हर होम लोन की शुरुआत प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और प्रशासनिक खर्चों से होती है। ये वो शुल्क हैं जो बैंक आपके आवेदन का मूल्यांकन करने, डॉक्यूमेंट्स की जांच करने और क्रेडिट चेक करने के लिए लेते हैं। ये शुल्क 5000 से 15000 रुपये तक हो सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक होम लोन लेते समय बैंक से इन चार्ज के बारे में मोलभाव करना चाहिए। काफी बैंक इन चार्ज को कम कर देते हैं।

प्रीपेमेंट पेनल्टी

प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर क्लॉज तब काम आते हैं जब आप अपना लोन आंशिक रूप से या पूरी तरह से जल्दी चुकाना चाहते हैं। आरबीआई के नियमानुसार फ्लोटिंग रेट (बदलते ब्याज दर वाले) होम लोन पर कोई प्रीपेमेंट शुल्क नहीं लग सकता है। हालांकि फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट और हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट होम लोन पर आमतौर पर बकाया मूल राशि का 4% तक का जुर्माना लग सकता है। बेसिक होम लोन के सीईओ और को-फाउंडर अतुल मोंगा के अनुसार, जब कोई उधारकर्ता आंशिक प्रीपेमेंट करता है तो बैंक आमतौर पर लोन की अवधि कम कर देते हैं और ईएमआई वैसे ही रखते हैं। इससे लंबे समय में ब्याज की काफी बचत होती है।

ब्याज दर बदलने पर चार्ज

बाजार की स्थितियां बदलती रहती हैं। हो सकता है कि आप अपने लोन की अवधि के दौरान फ्लोटिंग से फिक्स्ड रेट या फिक्स्ड रेट से फ्लोटिंग रेट पर स्विच करना चाहें। बैंक इसके लिए कन्वर्जन की सुविधा देते हैं, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। मोंगा के अनुसार, कन्वर्जन फीस आमतौर पर आपकी बकाया लोन राशि का 0.25% से 0.5% तक होती है। 40 लाख रुपये की बकाया

इनमें से कुछ चार्ज को कम कर बचाया जा सकता है पैसा

राशि पर यह 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच हो सकता है। कन्वर्जन विकल्प का उपयोग करने से पहले, यह गणना करें कि क्या ब्याज दर का अंतर कन्वर्जन शुल्क को सही ठहराता है। कभी-कभी अपनी मौजूदा दर पर बने रहना अधिक किफायती होता है।

बैलेंस ट्रांसफर की लागत

अपने होम लोन के कुछ साल बाद आपको कम ब्याज दरों पर बैलेंस ट्रांसफर (लोन को एक बैंक से दूसरे बैंक में ले जाना) के ऑफर मिल सकते हैं। हालांकि, ब्याज दर बदलने की तरह ऐसे अवसर को तुरंत लपक लेना हमेशा एक अच्छा ऑप्शन नहीं हो सकता है। कम ब्याज दर के अलावा, नए ऋणदाता के पास भी वही शुरुआती शुल्क हो सकते हैं जैसे प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और मूल्यांकन शुल्क, एमओडीटी शुल्क आदि। अगर आपका पुराना लोन हाइब्रिड या फिक्स्ड रेट पर था, तो उस पर फोरक्लोजर पेनल्टी भी लग सकती है। शेट्टी कहते हैं कि बैलेंस ट्रांसफर तभी फायदेमंद होता है जब ब्याज दर का अंतर काफी ज्यादा हो।

लेट पेमेंट पर लगने वाला चार्ज

कई बार होम लोन की ईएमआई लेट हो सकती है। यह कई कारणों से हो सकती है, जैसे सैलरी का देरी से मिलना, कोई मेडिकल इमरजेंसी आदि। ऐसे में लेट पेमेंट के नाम पर बैंक भारी चार्ज लगाते हैं। यह बकाया ईएमआई का 3 फीसदी तक या इससे ज्यादा भी हो सकता है। मोंगा बताते हैं कि अधिकांश बैंक जुर्माना लगाने से पहले ड्यू डेट के बाद 5 से 10 दिनों का अतिरिक्त ग्रेस पीरियड (छूट अवधि) देते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि अपने अकाउंट में पर्याप्त पैसा रखें ताकि ईएमआई बाउंस न हो।

जबरन बीमा बेचना

इंश्योरेंस एक और ऐसा सेक्टर है जहां उधारकर्ता अक्सर अनजाने में पैसा गंवा देते हैं। दो तरह के इंश्योरेंस दिए जाते हैं। पहला प्रॉपर्टी इंश्योरेंस। होम लोन के दौरान आपकी प्रॉपर्टी बैंक में गिरवी रखी संपत्ति होती है। बैंक को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि यह आग, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य नुकसानों से सुरक्षित है। दूसरा इंश्योरेंस लोन प्रोटेक्शन है। यह एक टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी है जो होम लोन लेने वाले की मृत्यु होने पर लोन का बकाया पेमेंट करती है। लोन प्रोटेक्शन इंश्योरेंस वैकल्पिक है। विवाद तब पैदा होते हैं जब बैंक स्पष्ट सहमति के बिना सिंगल-प्रीमियम इंश्योरेंस को लोन में बंडल कर देते हैं। उधारकर्ता अपनी पसंद के बीमाकर्ता को चुनने या अलग टर्म प्लान लेने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते वे बैंक की आवश्यकताओं को पूरा करते हों।

सीईआरएसएआई चार्जेज

सीईआरएसएआई (सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ सिक्योरिटाइजेशन एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऑफ इंडिया) एक ऐसा शुल्क है जो आमतौर पर पहली बार होम लोन लेने वाले को भ्रमित करता है। शेट्टी बताते हैं कि सीईआरएसएआई चार्जेज एक ही प्रॉपर्टी पर कई लोन को रोकने के लिए एक केंद्रीय डेटाबेस में मॉर्गेज के रजिस्ट्रेशन को कवर करते हैं। ये शुल्क 100 (जीएसटी के अतिरिक्त) तक हो सकते हैं।

संक्षेप

प्रधानमंत्री आवास योजना में डुडा ने पहली किस्त 2087 लोगों को डा ए पी जे अब्दुल कलाम सभागार में वितरित की

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 20 कार्यक्रम के अन्तर्गत योगी आदित्यनाथ गुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा 2 लाख लाभार्थियों को सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रथम किस्त के रूप में रू0 1.00 (एक लाख) की धनराशि के अतंरण की गई एवं लाभार्थियों से वर्क्युल संवाद किया गया। जनपद हमीरपुर की समस्त नगर निकायो में कुल 2087 लाभार्थियों को प्रथम किस्त हस्तांतरित की गई। उक्त कार्यक्रम में शकुन्तला निषाद, जिला अध्यक्ष (भा०ज०पा०), कुलदीप निषाद अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद हमीरपुर, एवं पार्टी के कार्यकर्ता इत्यादि उपस्थित रहे जिला अध्यक्ष द्वारा लाभार्थियों को स्वीकृत पत्र वितरण किये गये। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) / परियोजना निदेशक रिजवाना शाहिद / उप जिलाधिकारी / परियोजना अधिकारी पैगाम हैदर, कार्यक्रम के संचालन कर्ता जलीस खाँ एवं डूडा के कर्मचारी उपस्थित रहे।

कतर में रह रहा है युवक की टिप्पणी से उपजा असंतोष

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। कतर में रह रहा है एक युवक कस्बे की घटना पर आपत्तिजनक टिप्पणी सोशल मीडिया में करके मामले को तूल पकड़ाने की कोशिश कर रहा है। इस टिप्पणी पर लोगों ने तरह-तरह कमेंट करके कडे शब्दों में निंदा की है। कस्बा का निवासी एक युवक कतर में रहता है विगत दिनों कस्बे में हुए प्रकरण में इसने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। इस युवक की आपत्तिजनक टिप्पणी से कस्बे के लोगों में आक्रोश पनप गया है। लोगों ने इसकी कडे शब्दों में निंदा की है। युवक ने एक जाति विशेष को निशाना बनाकर अपने सोशल अकाउंट्स से फेसबुक में कमेंट किए हैं। युवक की यह हरकत कस्बे में दिनभर चर्चा के विषय बनी रही

सहकार भारती का 48वां स्थापना दिवस मनाया गया

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। क्षेत्र के टेढ़ा गांव में सहकार भारती का 48वां स्थापना दिवस राष्ट्रहित, किसानहित एवं सहकारिता सशक्तिकरण के संकल्प के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण उत्थान और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य वक्ता एफपीओ प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ.मनोज कुमार ने किसान उत्पादक संगठनो की भूमिका, किसानों को बाजार से जोड़ने और सहकारिता को मजबूत बनाने पर प्रेरक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि सहकार भारती बिना राजनीति के सहकारिता को जनआंदोलन का स्वरूप दे रही है कार्यक्रम में सहकार भारती के कार्यो, किसान सशक्तिकरण, महिला स्वावलंबन, प्राकृतिक खेती और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने पर प्रकाश डाला गया। उपस्थित कार्यकताओं और मातृशक्ति ने संगठन को और मजबूत करने का संकल्प लिया इस मौके पर सहप्रमुख सुनील, महिला प्रमुख तनूजा सिंह, सह महिला प्रमुख उर्मिला सिंह, समाजसेवी सौरभ सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

चुनावी रंजिश का खूनी खेल-हरदोई में प्रधानी की 'नकली वोटों' वाली जंग ने ली अधेड़ की जान

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। लोकतंत्र के सबसे निचले पायदान 'पंचायत चुनाव' की रंजिश ने एक बार फिर एक परिवार को लहूलुहान कर दिया। हरपालपुर के अर्जुनपुर गांव में सत्ता की हनक और दबंगई के चलते 52 वर्षीय अशोक सिंह की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी गई। रोंगटे खड़े कर देने वाली बात यह है कि इस खौफनाक वारदात का मुख्य आरोपी कोई और नहीं, बल्कि मृतक का अपना भतीजा और वर्तमान प्रधान पति सोमेंद्र सिंह है। विवाद की जड़ गांव के 142 फर्जी वोटों की वह शिकायत थी, जो मृतक के बेटे अरविंद ने की थी। सोमवार को जब राजस्व टीम जांच के लिए गांव पहुंची, तो आरोपियों ने लेखपाल से सरकारी कागजात छीन लिए और गाली-गलौज की। जब अरविंद पुलिस में शिकायत करने गया, तो पीछे घर में अकेले मौजूद उसके पिता अशोक सिंह को घेर लिया गया। दबंगों ने उन्हें तब तक पीटा जब तक उनकी सांसें नहीं थम गईं। अस्पताल पहुंचने से पहले ही अशोक सिंह ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी ने मौके पर पहुंचकर जांच की है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

हरदोई पुलिस की अपराधियों को दो-टूकः सुधर जाओ या जेल जाओ

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जनपद में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक हरदोई के कुशल निर्देशन में कोतवाली देहात पुलिस ने अपराधियों के विरुद्ध सख्त रुख अख्तियार कर लिया है।इसी क्रम में कोतवाली देहात पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के चिन्हित हिस्ट्रीशीटर अपराधियों को थाने पर तलब किया गया। इस दौरान सभी अपराधियों की मौजूदा गतिविधियों की बारीकी से समीक्षा की गई। पुलिस अधिकारियों ने सख्त लहजे में हिदायत देते हुए कहा कि वे अपराध का रास्ता पूरी तरह छोड़ दें और समाज की मुख्यधारा में लौट आएं।पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि भविष्य में कोई भी हिस्ट्रीशीटर किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या अपराध में संलिप्त पाया गया, तो उसके विरुद्ध कठोरतम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इंगोहटा के पंचायत सचिव को किया निलंबित

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। शनिवार को देर शाम जिला पंचायत राज अधिकारी ने इंगोहटा के पंचायत सचिव को गौआश्रय के रखरखाव में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया है। शनिवार को इंगोहटा निवासी आशीष सिंह, दिवाकर सिंह परिहार आदि ने तहसील दिवस में शिकायत करके आरोप लगाया था कि इंगोहटा की गौशाला में दो दर्जन से ज्यादा गोवंश मरे हैं जिनको प्रधान पुत्र गुरु प्रताप सिंह ने ट्रैक्टर ट्राली में भरकर नाले किनारे फेंक दिया है। जिलाधिकारी ने जांच टीम बनाकर गांव भेजी थी। जहां टीम को गौशाला के अभिलेखों में 134 गोवंश संरक्षित होने का रिकॉर्ड मिला था। मौके पर 128 गोवंश बंद पाया गया था। 6 गोवंश की स्वाभाविक मौत का ब्योरा रिकॉर्ड में दर्ज था। इसके बाद देर शाम जिला पंचायत राज अधिकारी सुरेश कुमार धुरिया ने पंचायत सचिव अमित कुमार को गौशाला प्रबंधन में लापरवाही, उच्चाधिकारियों के आदेश की अवहेलना, अपने पद एवं दायित्व का निर्वाहन नहीं करने के आरोप में निलंबित करके जिला पंचायत राज कार्यालय में सम्बद्ध करके एडियो पंचायत सरीला को जांच सौपकर 45 दिनों में रिपोर्ट मांगी है।

जमातियों के रुकने के लिए बाबा ने बनाई थी आयशा मस्जिद

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर कस्बे की जामा मस्जिद में जब जमातियों को घुसने नहीं दिया गया था। इसी से नाराज होकर दुष्कर्म एवं लवजिहाद के आरोपी मौलाना खान के बाबा ने अपने घर के पास एक मस्जिद का निर्माण कराया था। जहां बाहर से आने वाले जमाती रुककर लोगों को इस्लाम धर्म के अनुसार चलने के लिए प्रेरित करने का सिलसिला शुरू कर दिया था कस्बे में 1980 के दशक में दो मस्जिद व एक ईदगाह हुआ करती थी। जिसमें सब्जी मंडी स्थित जामा मस्जिद व जूनियर हाईस्कूल के पास स्थित छोटी मस्जिद थी। इन्हीं में लोग नमाज अदा किया करते थे और ईद और बकरीद में ईदगाह में नमाज अदा करते थे। इनका संचालन एवं पेश इमामत बरेलवीं जमात से जुड़े अमहद उल्लाह किया करते थे। 80 के दशक के बाद जब धर्म प्रचार के नाम पर देवबंदी जमात के लोग आने लगे तो कस्बे के तात्कालीन जामा मस्जिद के पेश इमाम अहमद उल्लाह ने उन्हें मस्जिद में घुसने से मना कर दिया था। इसी से नाराज होकर लव जिहाद और दुष्कर्म के सह आरोपी मौलाना खान के बाबा इमामुद्दीन ने बड़ी पुलिया के पास आयशा मस्जिद की नींव रखी और तेजी के साथ इसका निर्माण कराया। मस्जिद बनने के बाद देवबंदी जमात से आने वाले धर्म प्रचारक यहीं पर रुकने लगे। इनके खाने-पीने सहित अन्य व्यवस्थाएं मौलाना खान के पिता मुईनउद्दीन उर्फ लल्लूभाईजान करने लगे। जमातियों की टीमें लगातार कस्बे में आती रही और इसी आयशा मस्जिद में ठहर कर वह इस्लाम धर्म का प्रचार प्रसार करते रहे। जमातियों को जब शरण मिलने लगी, तो वह लोग कई कई दिन तक इस मस्जिद में रुककर धर्म का प्रचार करते रहे। बताते है कि आखिरी जमात अगस्त माह में आई थी और एक पखवारे तक धर्म का प्रचार पसार करने बाद वापस चली गई थी।

नितिन अग्रवाल का अखिलेश पर करारा प्रहारः आस्था से खिलवाड़ करने वाले आज मंदिर पर सवाल उठा रहे हैं

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। उत्तर प्रदेश के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने काशी विश्वनाथ धाम और मंदिर सौंदर्यीकरण को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयानों पर तीखा पलटवार किया है। हरदोई पहुंचे मंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि देश और प्रदेश की जनता भली-भांति जानती है कि किसने आस्था का सम्मान किया है और किसने हमेशा उसके साथ खिलवाड़ किया। ?अखिलेश यादव के बयानों पर बिफरते हुए नितिन अग्रवाल ने कहा कि जो लोग आज आस्था की बात कर रहे हैं, यह वही हैं जिन्होंने राम मंदिर के निर्माण को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में वकीलों की फौज खड़ी कर दी थी। ?श्जिन्होंने राम मंदिर का विरोध किया और हमेशा सनातन परंपराओं को नीचा दिखाने की कोशिश की, वे आज किस मुंह से आस्था पर सवाल उठा रहे हैं? जनता सब जानती है कि किसने अपमान किया और किसने सम्मान। ?नितिन अग्रवाल हरदोई के श्रीश चंद्र बारात घर में नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कड़ाके की ठंड को देखते हुए मंत्री ने करीब 1200 पात्र लाभार्थियों को अपने हाथों से कंबल वितरित किए। ?कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आबकारी मंत्री ने योगी सरकार की प्राथमिकताओं को गिनाया शासन की मंशा है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मिले।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच के अनुरूप शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जरूरतमंदों की सेवा की जा रही है।नगर पालिका हर साल शीतकाल में यह पुनीत कार्य करती है ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति ठंड के प्रकोप से असुरक्षित न रहे।नितिन अग्रवाल ने एक तरफ जहाँ विकास और सेवा का कार्ड खेला, वहीं दूसरी तरफ अखिलेश यादव को घेरते हुए यह साफ कर दिया कि भाजपा आगामी चुनावों में 'आस्था' और 'राम मंदिर' के मुद्दे पर विपक्ष को कोई ढील देने के मूड में नहीं है।

हरदोई में तनाव - बेकाबू डंपर ने अंबेडकर प्रतिमा को किया क्षतिग्रस्त, मौके पर उमड़ा भीम आर्मी का हुजूम

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जनपद के बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के प्रताप नगर चौराहे पर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक तेज रफ्तार डंपर ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई, जिसके बाद इलाके में तनाव फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में भीम आर्मी के कार्यकर्ता और स्थानीय अनुयायी मौके पर जमा हो गए।दरसल मिली जानकारी के अनुसार, बघौली की तरफ से आ रहा एक डंपर बेकाबू होकर प्रताप नगर चौराहे पर बने चबूतरे पर चढ़ गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि न केवल बाउंड्रीवाल ढह गई, बल्कि वहां स्थापित बाबा साहब की प्रतिमा भी टूट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और देखते ही देखते सैकड़ों की भीड़ जुट गई।सूचना मिलते ही बेनीगंज कोतवाली पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए।डंपर के चालक और परिचालक को मौके से ही हिरासत में ले लिया गया है। दुर्घटना करने वाले डंपर को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।मौके पर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।घटना से आक्रोशित भीम आर्मी के पदाधिकारियों और बाबा साहब के अनुयायियों ने मौके पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। क्षतिग्रस्त चबूतरे की तत्काल मरम्मत कराई जाए।खंडित प्रतिमा के स्थान पर नई और भव्य प्रतिमा स्थापित की जाए।लापरवाह डंपर चालक के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई हो।मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उग्र भीड़ को समझा-बुझाकर शांत कराया और भरोसा दिया कि विधिक कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने प्रतिमा को ससम्मान पुनर्स्थापित कराने की प्रक्रिया शुरू करने का आश्वासन दिया है।

मार्ग दुर्घटना में घायल मजदूर की इलाज के दौरान हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। गत 12 जनवरी को देर शाम खेत में पानी लगाकर वापस घर लौट रहे किसान को मुंडेरा मार्ग में पचखुरा खुर्द की गौशाला के पास तेज रफ्तार लोडर ने जोरदार टक्कर मार दी थी। इस घटना में किसान गंभीर रूप से घायल हुआ था। उसका कानपुर में उपचार चल रहा था। शनिवार को देर शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इससे परिवार में कोहराम मच गया। रविवार को शव गांव लाया गया पचखुरा खुर्द निवासी सुरेश कुमार 46 वर्ष गत 12 जनवरी को देर शाम खेत में पानी लगाकर घर वापस लौट रहा था। मुंडेरा मार्ग में गौशाला के समीप तेज रफ्तार लोडर ने जोरदार टक्कर मार दी थी और भाग निकला था। इस घटना में सुरेश कुमार गंभीर रूप से घायल हुआ था। इसको परिजनों ने गंभीर हालत में इलाज के लिए कानपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। शनिवार को देर शाम इसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव गांव लाया गया। इससे परिवार में कोहराम मच गया।

राज्य मंत्री रजनी तिवारी का अखिलेश यादव पर तीखा हमला, 'मृगनयनी' के मंच से विपक्ष को घेरा

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। शहर के एच के लॉन में आयोजित 'मृगनयनी एग्जिबिशन' का उद्घाटन करने पहुँचीं उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने आज एक तीर से दो निशाने साधे। जहाँ एक ओर उन्होंने प्रदर्शनी का फीता काटकर शहरवासियों को स्वदेशी से जुड़ने का संदेश दिया, वहीं दूसरी ओर सपा मुखिया अखिलेश यादव के आरोपों पर करारा प्रहार करते हुए राजनीतिक पारा गरमा दिया।दरसल ?काशी के मणिकर्णिका घाट के कायाकल्प और चुनावी मतदाता सूची को लेकर अखिलेश यादव द्वारा उठाए गए सवालों पर मंत्री रजनी तिवारी ने तीखा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष विकास कार्यों में अड़ंगा डालने और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने का आदी हो चुका है। मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि काशी का गौरव वापस लौट रहा है और विपक्ष की बयानबाजी उनकी हताशा का प्रतीक है। ?इससे पूर्व, मंत्री ने दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया और स्टालों का भ्रमण कर

आयोजकों की पीठ थपथपाई। उन्होंने स्थानीय जनता से अपील की कि वे इस प्रदर्शनी के माध्यम से स्वदेशी शिल्पकारों को मजबूती प्रदान करें। वहीं मंत्री ने कहा विपक्ष अब केवल सोशल मीडिया तक सीमित रह गया है, धरातल पर जनता भाजपा की विकासपरक नीतियों के साथ खड़ी हैइस दौरान आयोजक मंडल के लोग व उनकी टीम के लोग मौजूद रहे।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को दिए प्रमाण पत्र

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। कस्बा गरौठा में नगर पंचायत में हुए कार्यक्रम में नगर के पात्र लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार मिश्रा द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस दौरान लाभार्थियों में हर्षोल्लास देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान डॉ. मिश्रा ने कहा हमारा मूल उद्देश्य सरकार की योजनाओं को जनमानस तक पहुंचाकर है सभी सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों को दिलाना है। इसके साथ साथ डॉ. मिश्रा ने एक नवीन टैक्टर का पूजन कर नगर को समर्पित किया।इस मौके पर नरेंद्र शर्मा, प्रवेंद्र सिंह प्रधान, बृजबिहारी मिश्रा बाबू, नीरज शीला, अजय दुरखरु, मानवेंद्र, महेंद्र सुमन, शिवम् राठौर, मोंटी नायक, रविन्द्र, छक्कन, पीर खां पार्षदगणों में भारती अग्रवाल, राजेंद्र कुमार, हगपाल पटेल दीपक गुप्ता, फजल अहमद, हारून खान, आकाश गुप्ता, चंद्रभान, जगदीश सागर, संजय आर्या के साथ नगर के संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

विराट हिंदू सम्मेलन आज बाइक रैली निकाल किया आमंत्रित

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। कस्बे में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन सोमवार को कस्बे के रामलीला मैदान में किया गया है। इस सम्मेलन को अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास महाराज सहित अन्य साधु संत संबोधित करेंगे। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए आरएसएस, विहिप, बजरंग दल, विद्यार्थी परिषद, गौ रक्षा दल आदि हिंदूवादी संगठनों ने पूरी ताकत झोंक दी है। रामलीला मैदान में विशाल मंच तैयार करके कस्बे में जगह-जगह स्वागत के लिए तोरण द्वारा बनाए गए हैं। सम्मेलन में लोगों को आमंत्रित करने के लिए रविवार को कस्बे में विशाल बाइक रैली निकाली गई।कस्बे के रामलीला मैदान में आरएसएस, विहिप, बजरंग दल, विद्यार्थी परिषद, गौ रक्षा दल, हिंदू युवा वाहिनी आदि संगठनों ने विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन सोमवार को किया है। इस सम्मेलन के मुख्य वक्ता अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास महाराज हैं। सम्मेलन में लोगों को आमंत्रित करने के लिए रविवार की शाम कस्बे में विशाल बाइक रैली निकाली गई। बाइक रैली में भगवा ध्वज लहराते हुए जय श्री राम के गगन भेदी नारे लगाए गए विहिप के जिला अध्यक्ष रामदत्त पांडे, आरएसएस के नगर कार्यवाह कैलाश दुबे ने बताया कि सम्मेलन की सभी तैयारियां पूर्ण हो गई है। सम्मेलन सोमवार को दोपहर एक बजे से शुरू होगा।

रुतबे एवं रसूख के चलते मोड़ दिया नाली का रुख

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। कस्बे की मैथिलीशरण गुप्त मार्ग में बड़ी पुलिया के समीप आयशा मस्जिद के पास बनाया गया आरोपियों का पुश्तैनी मकान अन्य मकानों से भिन्न है। इन्होंने अपने रुतबे एवं रसूख के चलते नगर पंचायत की नाली को मकान की नींव में दफन करके जल निकासी रोक दी। नगर पंचायत को जल निकासी के लिए नाली का रुख मोड़ना पड़ा तब कहीं जाकर अन्य मकानों के पानी निकालने का इंतजाम हो सका लव जिहाद, धर्मांतरण, गैंगरेप के आरोपियों का रुतबा और रसूख इस कदर रहा है कि उन्होंने पग पग पर नियम कानून को ठेंगा दिखाया है। इसका एक नमूना बड़ी पुलिया के समीप बना पुश्तैनी मकान है। निर्माण के दौरान नगर पंचायत की नाली को रोककर मकान की नींव रख दी। इससे कस्बे की जल निकासी ठप हो गई नगर पंचायत को जल निकासी के लिए नाली का रुख मोड़ने को मजबूर होना पड़ा। इस वजह से यह मकान इस मार्ग में अलग ही नजर आता है अब नगर पंचायत ने रविवार को इस मकान में नोटिस चस्पा किया है।

जिम्मेदार उड़ा रहे हैं शिक्षा व्यवस्था की धज्जियां

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई)। सरकारी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में सुधार के दावों के बीच जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश कर रही है। शिक्षा व्यवस्था को संवारने की जिम्मेदारी जिन अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के कंधों पर है, वही इसकी धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं। मामला विकासखंड टोंडरपुर क्षेत्र के विजयनगर प्राथमिक विद्यालय का है, जहाँ की मूलभूत सुविधाओं का अभाव और अनियमित निरीक्षण व्यवस्था छात्रों के भविष्य पर सवाल खड़े कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, विद्यालय में 65 छात्रों की - संख्या दर्ज है डू लेकिन मौके पर 6-7 ही छात्र विद्यालय परिसर में घूमते नजर आये। जबकि विद्यालय में चार शिक्षक - तैनात हैं, लेकिन मौके पर राकेश कुमार शिक्षामित्र की उपस्थिति में अन्य प्रधानाध्यापक अश्वनी वर्मा सहित शिक्षक फरार नजर आए, और तो और मिड-डे मील, छात्रवृत्ति और किताबों के वितरण में भी अनियमितताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं। अभिभावकों का कहना है। इस विद्यालय की स्थिति बहुत ही दयनीय दुर्दशा है। जहां विद्यालय में चारों तरफ गन्दगी फैली हुई है बाउंड्री वॉल कई वर्षों से टूटी हुई है, शौचालय में गंदगी की भरमार वा टैंक टूटे खुला पड़े हैं इकलौते हैंड पंप की स्थिति खराब है और तो और विद्यालय में तैनात सोनी गुप्ता नाम की शिक्षिका विद्यालय परिसर में आती ही नहीं है, आरोप है कि विद्यालय के प्रधानाध्यापक उनके हस्ताक्षर बना देते हैं और तनखाह आने पर अपना मोटा कमीशन ले लेते हैं। जिसकी सूचना ब्लॉक के उच्च अधिकारियों तक है। लेकिन वह भी इस पर नजर अंदाज करते हैं आखिर क्यों? शिकायत करने पर कार्रवाई के बजाय मामले को दबाने की कोशिश होती है। निरीक्षण के दौरान कागजों में खानापूर्ति के नाम पर कमीशन बांधा जा रहा है, उज्जवल भविष्य के बच्चों को शिक्षा वास्तविकता इससे कोसों दूर है। शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों की उदासीनता और जवाबदेही के अभाव ने व्यवस्था को और कमजोर कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते पारदर्शी जांच, नियमित निरीक्षण और जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो शिक्षा व्यवस्था का यह पतन आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए घातक साबित होगा। अब सवाल यह है कि आखिर कब जिम्मेदारों की जवाबदेही तय होगी और शिक्षा को राजनीति व भ्रष्टाचार से मुक्त किया जायेगा।

एसडीएम सदर ने आरोपियों की संपत्ति का खंगाला ब्यौरा

सोमवार को सिंचाई विभाग बंधी की करेगा नापजोख

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। रविवार को एसडीएम सदर केडी शर्मा नगर पंचायत पहुंच कर ईओ के साथ बैठकर मौलाना खान की संपत्तियों का ब्यौरा खंगाला। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सोमवार को सिंचाई विभाग की टीम बंधी की नापजोख करके रिपोर्ट दाखिल करेगी। इसके बाद ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जाएगी। धर्मांतरण, लव जिहाद, रेप के आरोपियों की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। शासन के निर्देश पर प्रशासन इनके खिलाफ कार्यवाही की तैयारी करने में जुट गया है। इसके लिए सबूत एकत्र किए जा रहे हैं। रविवार को एसडीएम सदर ने करीब दो घंटे नगर पंचायत कार्यालय में बैठकर अधिशाषी अधिकारी दिनेश आर्य के साथ आरोपियों की संपत्तियों का ब्यौरा खंगाले। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि अवैध संपत्तियों को चिन्हित करके ईओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। इंडिया उर्फ इंडियन लाज का भवन सिंचाई विभाग की बंधी को ध्वस्त करके बनाए जाने के सवाल पर कहा कि सोमवार को महोबा से सिंचाई विभाग की टीम आकर बंधी के रकबे की जांच पड़ताल करेगी। नापजोख करने के बाद रिपोर्ट प्रशासन को देंगे। रिपोर्ट मिलने के बाद ही ध्वस्तीकरण की कार्यवाही अमल में लाया जाएगा। हाईकोर्ट के ध्वस्तीकरण के आदेश के बारे में उन्होंने कहा कि आदेश की जांच की जा रही है। उच्च अधिकारी ही इस पर निर्णय लेंगे। सिंचाई विभाग महोबा के जिलेदार दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि विभाग के अभिलेखों में सुमेरपुर बस स्टैंड की बंधी का रकबा लगभग 30 से 40 फीट चौड़ा दर्ज है। उसका नक्शा बना हुआ है। नक्शे में चौड़ाई दर्ज है। मौके पर ही तय होगा कि इंडिया उर्फ इंडियन लाज बंधी की कितने फीट भूमि पर बनाया गया है।

इन संपत्तियों में चस्पा हुई नोटिस

1 - वार्ड 16 बस स्टैंड में स्थित इंडियन लाज मालिक जेबुन्निसा

2 - वार्ड 7 बड़ी पुलिया के पास मकान में मालिक मुईन उद्दीन।

3 - वार्ड 7 कमलेश तिराहा के पास मालिक मुईन उद्दीन उर्फ लल्लू

खतौनी में अंश संशोधन के लिए किसान लगा रहे चक्कर

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। खतौनी में खाता धारकों के अधिकतर अंश गलत लगे हुए हैं अंश संशोधन के लिए खतौनी खाता धारक महीनों से तहसील चक्कर काट रही है` तहसील बीघापुर मुख्यालय पाटन में अधिकतर किसान खतौनियों में लगे गलत अंश संशोधन के लिए खाता धारक महीनों से चक्कर काट रहे हैं जिसकी शिकायत तहसील दिवस सहित आइजीआरएस पोर्टल पर भी दर्ज कराते हैं लेकिन जांच तो उन्हें कर्मचारियों को मिलती है जिनको अंश सही करना है उन राजस्व कर्मचारियों के द्वारा पैसे की डिमांड की जाती है डिमांड पूरी नहीं होने पर किसान के अंश सही नहीं हो पा रहे हैं अंश संशोधन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा ऑनलाइन व्यवस्था की गई है लेकिन ऑनलाइन होने के बाद भी कई माह गुजर जाने पर भी उन पर रिपोर्ट नहीं लगती हैं इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि उनके पैसे की डिमांड पूरा नहीं कर पा रहे हैं अंश संशोधन न होने के कारण किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड सहित दाखिल खारिज बैनामों में भी भारी समस्याएं पैदा हो रही हैं तहसील संपूर्ण समाधान थाना दिवस या आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों पर मौके पर ना जाकर के अधिकतर प्रार्थना पत्र बैठे-बैठे निस्तारित हो जाते हैं जिससे दंगा फसाद सहित मारपीट अधिक होने का कारण है।

चिकित्सा क्षेत्र की अपूरणीय क्षति, डॉ. वहीदुल हसन का निधन

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्र के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. वहीदुल हसन का रविवार को 72 वर्ष की आयु में हृदय गति रुकने (हार्ट अटैक) से निधन हो गया। उनके निधन की खबर से क्षेत्र के चिकित्सा जगत और स्थानीय निवासियों में शोक की लहर दौड़ गई है। ?डॉ. वहीदुल हसन पिछले 30 सालों से अधिक वर्षों से चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े हुए थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य और सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। उनकी गिनती क्षेत्र के सबसे अनुभवी और मृदुभाषी चिकित्सकों में होती थी, जो न केवल इलाज करते थे बल्कि मरीजों के साथ गहरा आत्मीय संबंध भी रखते थे। ?रविवार दोपहर को नमाज-ए-जोहर के बाद उनके जनाजे की नमाज अदा की गई। इस दौरान भारी संख्या में स्थानीय नागरिक, गणमान्य व्यक्ति और चिकित्सा जगत से जुड़े लोग शामिल हुए। सभी ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। ?उनके निधन पर विभिन्न संगठनों और क्षेत्र के लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। लोगों का कहना है कि डॉ. हसन का जाना बांगरमऊ के लिए एक ऐसी क्षति है जिसे कभी पूरा नहीं किया जा सकेगा। डॉ वहीदुल हसन मुख्य रूप से कस्बा सफीपुर के रहने वाले थे। उन्होंने 20 वर्षों से अधिक समय तक बांगरमऊ में चिकित्सा सेवा की और करीब 10 वर्षों तक फतेहपुर 84 में चिकित्सा सेवा की। डॉ वहीदुल हसन अपने पीछे दो लड़के और तीन लड़कियां छोड़ गए हैं।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

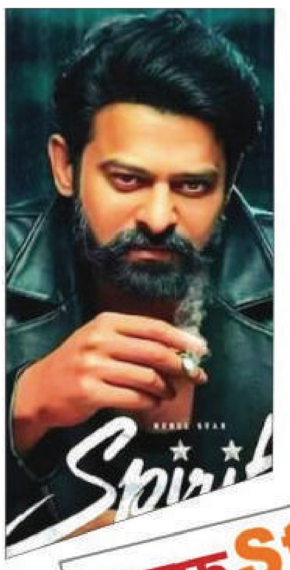

'स्पिरिट' की रिलीज तारीख का ऐलान..

मुंबई। सुपरस्टार प्रभास की हालिया रिलीज फिल्म 'द राजा साब' लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही। इस बीच, अभिनेता ने अपनी बहुप्रतिक्षित फिल्म 'स्पिरिट' से जुड़ी सबसे बड़ी खुशखबरी साझा कर दी है। सोशल मीडिया पर आधिकारिक ऐलान करते हुए फिल्म की रिलीज तारीख का खुलासा किया गया है। संदीप रेड्डी वांगा में बन रही 'स्पिरिट' का पहला पोस्टर नए साल के पहले दिन जारी हुआ था। रिलीज का ऐलान होने से प्रशंसक डबल उत्साहित हो गए हैं। प्रभास की 'स्पिरिट' एक्शन-थ्रिलर फिल्म है जिसका हिस्सा तृप्ति डिमरी और विवेक ओबेरॉय भी हैं।

लाइफ Style

मृणाल

फरवरी में सात फेरे लेने का दावा

साउथ सुपरस्टार धनुष और मृणाल ठाकुर की कथित प्रेम-कहानी काफी समय से लोगों का ध्यान खींच रही है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दोनों दुनिया की नजरों से छिपकर एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

एजेंसी ⏭ मुंबई

नई जानकारी और चौंकाने वाली है, क्योंकि दावा है कि दोनों अपने रिश्ते को आधिकारिक नाम देने की तैयारी में हैं। फरवरी में वैलेंटाइन डे के खास मौके पर मृणाल, 9 साल बड़े धनुष से शादी कर सकती हैं। मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 14 फरवरी यानी वेलेंटाइन डे को धनुष और मृणाल एक निजी समारोह में शादी की योजना बना रहे हैं। इस समारोह में सिर्फ दोनों सितारों का परिवार और करीबी रिश्तेदार शामिल होंगे। हालांकि, इन रिपोर्ट्स पर दोनों में से किसी ने भी आधिकारिक बयान नहीं दिया है और न कई दिनों से चल रहे अपने कथित रिश्ते की पुष्टि की है। इसलिए इन दावों में कितनी सच्चाई है, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

धनुष और मृणाल के डेटिंग की खबरों ने 'सन ऑफ सरदार 2' की स्क्रीनिंग के दौरान जोर पकड़ा था, जब दोनों सितारों को एक साथ कैमरे में कैद किया गया। इसके बाद, मृणाल के जन्मदिन पर धनुष को उनका हाथ थामे और मुस्कुराते हुए देखा गया। यही नहीं, धनुष और कृति सैनन की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप-अप पार्टी में मृणाल ने पहुंचकर लोगों को चौंका दिया। बस यहीं से दोनों के कथित रिश्ते के किस्से शुरू हो गए।

हॉलीवुड मसाला

ट्रंप के टैरिफ से सिनेमा में मचा हड़कंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ दिन पूर्व ही घोषणा की है कि अमेरिका के बाहर बनी सभी फिल्मों पर अब 100% तक का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप का कहना है कि यह अहम कदम अमरीकी फिल्म उद्योग को फिर से मजबूत करना और 'मेड इन अमेरिका' नीति को आगे बढ़ाने के लिए बहुत जरूरी है। ट्रंप के इस कदम से न केवल हॉलीवुड बल्कि ग्लोबल सिनेमा में हड़कंप मचा हुआ है। दर असल, ट्रंप का कहना है कि विदेशों में बनी फिल्मों ने अमरीका से फिल्म निर्माण का कार्य छीन लिया है, ठीक वैसे ही जैसे किसी बच्चे से उसकी कैंडी छीन ली हो।

हॉलीवुड स्टार जॉन सीना भी हैं शाहरुख के दीवाने

लॉस एंजिलस। शाहरुख खान बॉलीवुड के ही नहीं बल्कि हॉलीवुड के दिलो के भी बादशाह हैं। ये तो सब जानते हैं कि शाहरुख खान के फैंस दुनियाभर के हर एक कोने में मौजूद हैं। लेकिन जब आप ये सुनेंगे कि एक हॉलीवुड स्टार भी बादशाह खान का फैन है तो आप जरूर हैरान होंगे। हम जिस हॉलीवुड स्टार की बात कर रहे है वो हैं जॉन सीना, जो किंग खान के कितने बड़े है ये उन्होंने हाल ही में साबित कर दिया है। यूं तो जॉन को कई दफा बॉलीवुड के बादशाह की तारीफ करते देखा जा चुका है लेकिन अब उन्होंने शाहरुख के लिए जो किया है वो देख आप देखते रह जाएंगे। डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन और हॉलीवुड एक्टर जॉन सीना का एक वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक कार्यक्रम में शाहरुख का गाना 'भोली सी सूरत' गाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

जुनैद की 'एक दिन' से बॉलीवुड में डेब्यू

मुंबई। आमिर खान के बेटे जुनैद खान अपनी अगली फिल्म 'एक दिन' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का पोस्टर जारी करने के बाद निर्माताओं ने टीजर जारी कर दिया है जो लोगों का ध्यान खींच रहा है। इस फिल्म के जरिए साई बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। फिल्म के टीजर में जुनैद के साथ उनकी केमिस्ट्री शानदार नजर आ रही है। सुनील पांडे द्वारा निर्देशित 'एक दिन' रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है जो 1 मई, 2026 को रिलीज होगी। 'एक दिन' के टीजर की शुरुआत दोनों मुख्य कलाकारों से होती है जहां वह खुद को शीशे में निहार रहे हैं। जुनैद कहते हैं, 'तुम्हारी मुस्कुराहट मुझे बहुत अच्छी लगती है मीरा। तुम्हारा दिल जीतूंगा या नहीं ये नहीं पता'। इसके बाद दोनों की खूबसूरत प्रेम दिखती है, लेकिन जल्द उनका ये सपना टूट जाता है।

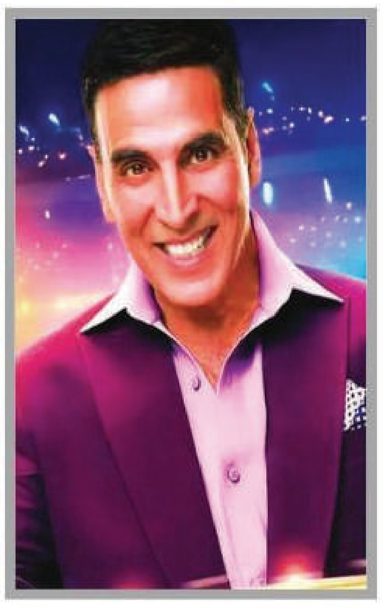

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' से टीवी पर वापसी

मुंबई। बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार हर साल अपनी फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन करते हैं। इस बार वह टीवी पर भी यह जिम्मेदारी उठाते दिखेंगे क्योंकि उनका नया गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' आ रहा है। काफी समय से चर्चा बटोर रहा यह रियलिटी शो इसी महीने यानी, जनवरी में अपनी स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। निर्माताओं ने शो का प्रोमो और स्ट्रीमिंग तारीख जारी कर दी है। यह क्लासिक शब्द खेल हैंगमैन पर आधारित है। 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के प्रोमो के साथ कैप्शन दिया गया, 'किस्मत आपकी, पैसा चैनल का...और ढेर सारी मस्ती मेरी तरफ से।' अक्षय ने होस्ट की जिम्मेदारी संभाली है जो प्रतियोगियों को पुरस्कार राशि जीतने का मौका देंगे। यह शो 27 जनवरी से सोनी लिव और सोनी टीवी पर रात 9 बजे प्रसारित होगा।

टीवी मसाला

कसम से सीरियल की तीन बहनें अब कैसी दिखती हैं बानी, पिया और रानो

नई दिल्ली। टीवी और बॉलीवुड जगत की मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर के लोकप्रिय सीरियल 'कसम से' ने अपने रिलीज के 20 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर एकता कपूर ने यादों को ताजा किया जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि यह सीरियल 16 जनवरी 2006 को पहली बार जी टीवी पर प्रसारित किया गया था।

तीन बहनों की थी कसम से की कहानी : टीवी सीरियल की कहानी तीन बहनों- बानी, पिया और रानो के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिनके जीवन में जय वालिया के आने से कई बदलाव आते हैं और उनकी आपसी बॉन्डिंग व रिश्तों की कसौटी को दिखाया गया था। इसमें प्राची देसाई ने बानी का किरदार निभाया था, जबकि राम कपूर ने जय वालिया का किरदार निभाया था। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को काफी पसंद आई थी।

ये अभिनेत्रियां बनीं थीं तीन बहनें : इस सीरियल में राम कपूर और प्राची देसाई (बानी) के अलावा, रोशनी चोपड़ा (पिया), अरुनिमा शर्मा (रानो) जया भट्टाचार्य, और अश्विनी कलसेकर (जिज्ञासा) जैसे कलाकार भी शामिल थे। यह सीरियल साल 2009 तक प्रसारित हुआ था। एकता कपूर ने इसे बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले रिलीज किया था।

शो से बॉलीवुड पहुंचे बानी और राम: यह शो जी टीवी पर काफी सफल रहा और इसने मुख्य किरदार प्राची देसाई को अच्छी पहचान दिलाई थी, बल्कि राम कपूर को भी घर-घर में मशहूर किया था। इस शो के बाद राम कपूर 'बड़े अच्छे लगते हैं' और प्राची देसाई ने बॉलीवुड फिल्मों जैसे 'रॉक ऑन' से अपनी पहचान बनाई। वहीं राम कपूर ने कई बॉलीवुड फिल्मों में काम कर अपनी अलग पहचान बना ली है।

तलाक के बाद माही विज ने छोड़ा सहर होने को है सीरियल

नई दिल्ली। टीवी की स्टार एक्ट्रेस माही विज एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में वह टीवी के पॉपुलर एक्टर और पूर्व पति जय भानुशाली संग तलाक की खबरों से खूब चर्चा में रही थीं। अब उनके चर्चा में आने की वजह है कि वह टीवी शो 'सहर होने को है' को बहुत जल्द छोड़ सकती हैं। इस बीच यह भी कहा जा रहा है कि वह एक नए रियलिटी शो में हिस्सा ले सकती हैं, जो बहुत जल्द ऑन एयर होने वाला है। माही का नाम इस शो से तब से जुड़ रहा है, जब से वह एंडेमोल के ऑफिस पर स्पॉट हुई है। फिलहाल एक्ट्रेस ने अपनी इस विजिट और नए शो में जाने की अटकलों पर चुप्पी साधी हुई है। वहीं, इस नए रियलिटी शो के मेकर्स और चैनल की तरफ से भी कोई बयान नहीं आया है। चलिए जानते हैं किस नए शो में माही विज एंट्री लेने जा रही है।

'हैप्पी पटेल' पड़ी 'राहु केतु' पर भारी बॉक्स ऑफिस पर वीर दास ने मारी बाजी

मुंबई। बॉक्स ऑफिस पर जब 2 कॉमेडी फिल्में आपस में टकराती हैं तो मुकाबला हमेशा दिलचस्प होता है। इस शुक्रवार आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी वीर दास अभिनीत 'हैप्पी पटेल' और वरुण शर्मा-पुलकित सम्राट की जोड़ी वाली 'राहु केतु' के बीच जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली। हालांकि, वीर दास की अतरंगी कॉमेडी के आगे 'फुकरे' वाले वरुण शर्मा और पुलकित सम्राट की फिल्म 'राहु केतु' बेअसर साबित हुई है।

'राहु केतु' को पीछे छोड़ आगे निकली 'हैप्पी पटेल'

रिपोर्ट के मुताबिक, इस टक्कर में पहले दिन टिकट खिड़की पर 'हैप्पी पटेल' ने हल्की बढ़त बना ली है। इसने देशभर में करीब 1.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। दूसरी ओर 'राहु केतु' भी कमाई के मामले में पीछे नहीं रही और फिल्म ने पहले दिन लगभग 1 करोड़ रुपये जुटाए। हालांकि, दोनों फिल्मों की कमाई में ज्यादा बड़ा अंतर नहीं है, जिससे आने वाले दिनों में बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला और रोमांचक होने की उम्मीद जताई जा रही है।

क्या है 'हैप्पी पटेल' की कहानी?

आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी 'हैप्पी पटेल' अपनी अतरंगी कहानी और वीर दास की जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग की वजह से चर्चा में है। ये एक स्पाय-कॉमेडी फिल्म है। ये ऐसे शख्स की कहानी दिखाती है, जो गलती से जासूसी की दुनिया में फंस जाता है। इस फिल्म में शारिब हाशमी, मोना सिंह, मिलिथा पालकर और इमरान खान भी हैं, वहीं आमिर ने कैमियो किया है। खास बात है कि फिल्म का निर्देशन भी वीर दास ने ही किया है।

'मर्दानी 3' सेंसर बोर्ड से पास, शिवानी का अब तक का सबसे लंबा मिशन...

मुंबई। रानी मुखर्जी एक बार फिर 'शिवानी शिवाजी रॉय' के कड़क अंदाज में बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मर्दानी 3' ने सेंसर बोर्ड की बाधा पार कर ली है और इसे यूए 16+ सर्टिफिकेट के साथ हरी झंडी मिल गई है। दिलचस्प बात है कि ये फिल्म न केवल अपने एक्शन और विषय के कारण चर्चा में है, बल्कि ये इस पूरी फ्रेंचाइजी की सबसे लंबी फिल्म भी बन गई है।

बच्चे अकेले नहीं देख पाएंगे फिल्म : सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने 'मर्दानी 3' को देखने के बाद इसे यूए 16+ सर्टिफिकेट दिया है। इसका मतलब है कि 16 साल से कम उम्र के बच्चे इस फिल्म को अकेले नहीं देख पाएंगे। अगर वो ये फिल्म देखना चाहते हैं तो उन्हें माता-पिता या किसी बड़े के साथ ही सिनेमाघर जाना होगा। फिल्म में दिखाए जाने वाले डार्क विषय और गंभीर एक्शन को देखते हुए यह रेटिंग दी गई है।

इतनी लंबी होगी 'मर्दानी 3'

'मर्दानी' सीरीज अपनी तेज रफ्तार और सटीक कहानी के लिए जानी जाती है, लेकिन इस बार दर्शकों को शिवानी शिवाजी रॉय को पहले से कहीं ज्यादा समय तक बड़े पर्दे पर देखने का मौका मिलेगा। 'मर्दानी 3' का कुल रनटाइम 2 घंटे, 10 मिनट और 36 सेकंड है, जिससे यह फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे लंबी फिल्म बन गई है। 'मर्दानी' का रनटाइम 1 घंटा 53 मिनट था, जबकि 'मर्दानी 2' की अवधि सिर्फ 1 घंटा 45 मिनट रही।

सबसे बड़ा रनटाइम और सबसे पेचीदा मिशन

'मर्दानी 3' पहली फिल्म से लगभग 17 मिनट और दूसरी फिल्म से करीब 25 मिनट ज्यादा लंबी है। फिल्म का इतना लंबा रनटाइम ये संकेत देता है कि इस बार कहानी का दायरा बड़ा है और शिवानी शिवाजी रॉय का सामना जिस दुश्मन से है, वो काफी पेचीदा और खतरनाक होने वाला है। ये शिवानी शिवाजी रॉय का अब तक का सबसे लंबा मिशन होगा।

इस साल इन फिल्मों का दर्शकों को है बेसब्री से इंतजार

'किंग' का राज और 'जन नायकन' की दहाड़

मुंबई। तैयार हो जाइए, क्योंकि भारतीय सिनेमा मे बड़ा धमाका होने वाला है। 2026 की शुरुआत के साथ ही आईएमडीबी यानी इंटरनेट मूवी डाटोबेस ने इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची जारी की है। एक तरफ शाहरुख खान का 'किंग' अवतार सिनेमाघरों में धमाल मचाने को तैयार है तो दूसरी तरफ थलापति विजय की आखिरी फिल्म की 'दहाड़' से पूरा बॉक्स ऑफिस थर्राने वाला है। आइए जाने इस साल दर्शकों को बॉलीवुड और साउथ की किन फिल्मों का इंतजार है।

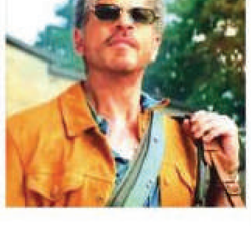

'किंग': आईएमडीबी की बहुप्रतिक्षित फिल्मों की सूची में 'किंग' पहले स्थान पर विराजमान है, जिससे ये साफ है कि शाहरुख का जादू आज भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। 'पठान' और 'जवान' के बाद प्रशंसकों को उनके एक और खतरनाक एक्शन अवतार का इंतजार है, जो इस फिल्म के साथ खत्म होने वाला है। फिल्म में शाहरुख एक गैंगस्टर के रोल में नजर आएंगे। इसके जरिए वो पहली बार अपनी बेटी सुहाना खान के साथ स्क्रीन साझा करते दिखेंगे।

'रामायण': 'किंग' के बाद जिस फिल्म ने सबसे ज्यादा हलचल मचाई है, वो है नितेश तिवारी की महागाथा 'रामायण पार्ट 1'। आईएमडीबी की सूची में इसे दूसरा स्थान मिलना यह दर्शाता है कि दर्शक भारतीय संस्कृति और आधुनिक सिनेमा के इस मिलन को देखने के लिए कितने उत्साहित हैं। रणबीर कपूर की 'रामायण' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा का अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट मानी जा रहा है। साई पल्लवी इसके जरिए बॉलीवुड में कदम रख रही हैं।

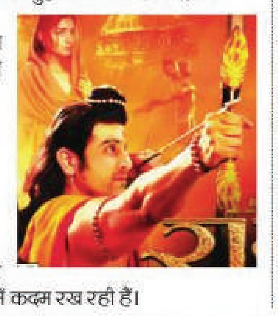

'जन नायकन और 'स्पिरिट': सूची में तीसरे नंबर पर काबिज है थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन', जो उनकी आखिरी फिल्म है। इसके बाद विजय पूरी तरह राजनीति में कदम रखेंगे, जिसके कारण उनके लाखों फैंस इस फिल्म को ऐतिहासिक बनाने के लिए बेताब हैं। उधर चौथे स्थान पर अपनी जगह पक्की है प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' ने। फिल्म में प्रभास पुलिस अफसर के किरदार में दिखेंगे। ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' वाले संदीप रेड्डी वांगा ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है।

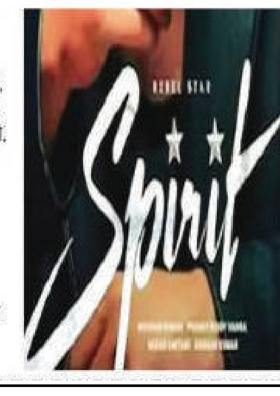

'टॉक्सिक' और 'बैटल ऑफ गलवान': 'केजीएफ 2' के बाद दर्शक जिस चेहरे को देखने के लिए तरस रहे थे, वो अब 'टॉक्सिक' के साथ लौट रहा है। आईएमडीबी की सूची में यश की इस फिल्म ने पांचवें पायदान पर कब्जा किया है। फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी भी हैं। छठे स्थान पर सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' है, जिसमें वो एक जांबाज आर्मी ऑफिसर के किरदार में देश के हीरो की कहानी पर्दे पर उतारेंगे।

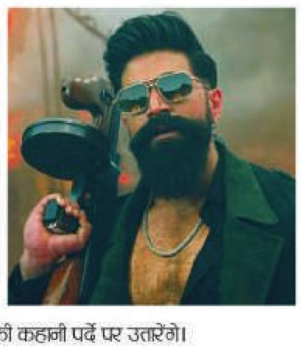

ये फिल्में भी हैं सूची में शामिल : सूची में 7वें स्थान पर आलिया भट्ट की अल्फा और 8वें नंबर पर रणवीर सिंह की सबसे बड़ी फिल्म 'धुरंधर' का सीक्वल 'धुरंधर 2' है। 9वें स्थान पर सनी देओल की 'बॉर्डर 2' है तो 10 नंबर पर तमिल फिल्म 'लव इंश्योरेंस कंपनी' है।